राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार 7अगस्त-2021 वर्ष-4, अंक - 195 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

लगातार चौथे दिन 40 हजार के पार कोरोना के नए केस

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के मामलों ने फिर रफ्तार पकड़ ली है। अचानक से नए मामलों में तेजी देखी जा रही है। लगातार चौथे दिन देश में नए केसों की संख्या 40 हजार से अधिक दर्ज की गई है। हालांकि रोजाना सामने आने वाले केस में आधे से अधिक सिर्फ दो राज्यों- केरल और महाराष्ट्र से हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में 44,643 नए मामलों की पुष्टि हुई है। आपको बता दें कि इनमें से करीब 22 हजार केरल में सामने आए हैं। रिकवरी की बात करें तो बीते 24 घंटे में 41,096 मरीजों ने कोरोना महामारी को मात दी है। देश में रिकवरी रेट 97.36 प्रतिशत के करीब है। अभी तक भारत में कुल 3,10,15,844 मरीज या तो स्वस्थ हो चुके हैं या फिर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। हालांकि, एक्टिव केस जरूर राज्य सरकारों के साथ-साथ केंद्र की चिंता बढ़ाने वाली है। फिलहाल देश में 4,14,159 एक्टिव केस हैं, जो कि करीब 1.30 प्रतिशत है। बीते 11 दिनों के आंकड़ों पर अगर गौर करें तो 2.72 प्रतिशत की दर से मामले लगातार बढ़ रहे हैं। कोरोना के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। अभी तक 49.53 करोड़ खुराकें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दी जा चुकी हैं। इसके साथ-साथ टेस्टिंग क्षमता में भी इजाफा हुआ है। महामारी के सामने आने के बाद देश में अब तक कुल 47.65 करोड़ सैंपल की जांच की गई है।

ओबीसी जनगणना को लेकर मायावती का ऐलान बसपा करेगी मोदी सरकार का समर्थन

पटना। ओबीसी वर्ग की जनगणना को लेकर जारी बहस के बीच आगामी यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बसपा प्रमुख मायावती ने इस मसले पर मोदी सरकार को समर्थन देने का ऐलान किया है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को कहा कि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज की अलग से जनगणना कराने की मांग पर केंद्र की मोदी सरकार अगर कोई सकारात्मक कदम उठाती है तो बसपा संसद के अन्दर व बाहर भी इसका जरूर समर्थन करेगी। दरअसल, देशभर में ओबीसी जनगणना की मांग के बीच मायावती ने ट्वीट किया, देश में ओबीसी समाज की अलग से जनगणना कराने की मांग बसपा शुरू से ही करती रही है तथा अभी भी बसपा की यही मांग है और इस मामले में केन्द्र की सरकार अगर कोई सकारात्मक कदम उठाती है तो फिर बसपा इसका संसद के अन्दर व बाहर भी समर्थन जरूर करेगी। मायावती की यह प्रतिक्रिया ऐसे वक्त में आई है जब बिहार में पक्ष और विपक्ष दोनों ओबीसी के लिए जातीय जनगणना की मांग कर रहा है। बीते दिनों राजद नेता तेजस्वी यादव की मांग के साथ सुर में सुर मिलाते हुए नीतीश कुमार ने भी कहा था कि ओबीसी की जनगणना होनी चाहिए। गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर जातीय जनगणना के मुद्दे पर सर्वदलीय शिष्टमंडल के साथ उनसे मिलने का समय मांगा है। पटना, नालंदा, गया और जहानाबाद जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद पटना हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में नीतीश से जातीय जनगणना के संबंध में सवाल करने पर उन्होंने कहा, हमने पत्र भेज दिया है। प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए जदयू सांसदों को वक्त नहीं मिलने और जबकि बिहार सरकार में शामिल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा से मंत्री संतोष कुमार सुमन के प्रधानमंत्री से मिलने के बारे में पूछे जाने पर नीतीश ने कहा, हमारी पार्टी के सांसदों ने अमित शाह से मिलकर भी अपनी बातें रखी है। गौरतलब है कि जदयू सांसदों की केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भेंट हुई थी।

12वें दौर की वार्ता के बाद पूर्वी लद्दाख के गोगरा में पीछे हटीं भारत और चीन की सेनाएं

(एजेंसी):

लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच बना गतिरोध और कम हो गया है, 31 जुलाई को कमांडर स्तर की वार्ता के बाद 4-5 अगस्त को गोगरा पोस्ट से भारत और चीन की सेनाएं पीछे हट गई हैं। भारतीय सेना की तरफ से दोनों सेनाओं के पीछे हटने की पुष्टि की गई है। भारतीय सेना की तरफ से कहा गया है कि भारत और चीन के बीच एक संवेदनशील विवाद की समाप्ती हो गई है। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है, जैसे कि इस सप् ताह की शुरुआत में बताया गया था, भारत और चीन के कोर कमांडरों के बीच 12वें राउंड की बैठक 31 जुलाई को पूर्वी लद्दाख के चुशुल मोल्दो मीटिंग प्वाइंट पर हुई थी। दोनों पक्षों के बीच भारत-चीन सीमा क्षेत्र के पश्चिमी सेक्टर में लाइन ऑफ एक चुअल कंट्रोल से शेष स्थानों पर तनाव कम करने को लेकर विचारों का गहन और स्पष्ट आदान प्रदान किया गया। दोनों पक्ष गोगरा एरिया से पीछे हटने को लेकर सहमत हुए हैं। इस क्षेत्र में पिछले साल मई में सैनिक आमने-सामने आ गए थे। बनी सहमति के अनुसार, दोनों पक्षों ने चरणबद्ध और समन्वित तरीके से इस क्षेत्र में अग्रिम तैनाती बंद कर दी. डिस्इंगेजमेंट की प्रक्रिया को चार और पांच अगस्त 2021 को किया गया। दोनों पक्षों के सैनिक अब अपने-अपने स्थायी ठिकानों में हैं। बयान में कहा गया है कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के साथ भारतीय सेना देश की संप्रभुता सुनिश्चित करने और पश्चिमी क्षेत्र में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के आसपास शांति बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि ताजा दौर की यह बातचीत भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच शंघाई कोआपरेशन आर्गेनाइजेशन (SCO) सम्मेलन के इतर 14 जुलाई को हुई मुलाकात के बाद हुई है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन के इतर एक घंटे तक चली बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष वांग यी से स्पष्ट तौर पर कहा था कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति में कोई भी एकतरफा बदलाव भारत को स्वीकार्य नहीं है और पूर्वी लद्दाख में शांति की पूर्ण बहाली के बाद ही संबंध समग्र रूप से विकसित हो सकते हैं।

पीएम मोदी ने किया ऐलान,

खेल रत्न अवार्ड अब जाना जाएगा मेजर ध्यानचंद के नाम से

(एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदल दिया है। अब इसे मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के नाम से जाना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी। पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि देश को गर्वित कर देने वाले पलों के बीच अनेक देशवासियों का ये आग्रह भी सामने आया है कि खेल रत्न पुरस्कार का नाम मेजर ध्यानचंद जी को समर्पित किया जाए। लोगों की भावनाओं को देखते हुए, इसका नाम अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार किया जा रहा है। पीएम मोदी ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि उन्होंने कहा कि मुझे पूरे भारत के नागरिकों से खेल रत्न पुरस्कार का नाम मेजर ध्यानचंद के नाम पर रखने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। उनकी भावना का सम्मान करते हुए, खेल रत्न पुरस्कार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार कहा जाएगा। बता दें कि पहले यह राजीव गांधी के नाम पर था। भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न पुरस्कार का नाम राजीव गांधी खेल रत्न की जगह मेजर ध्यानचंद खेल रत्न रखने के फैसले का खेल जगत ने स्वागत किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह घोषणा की कि नागरिकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए खेल रत्न पुरस्कार को अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार कहा जाएगा। टोक्यो ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीमों के शानदार प्रदर्शन के बाद इस सम्मान का नाम महान हॉकी खिलाड़ी के नाम पर रखने का फैसला लिया गया। इस फैसले का भारतीय खेल जगत ने स्वागत किया है। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि ध्यानचंद खेलों में भारत के सबसे बड़े नायक रहे है। उन्होंने ट्वीट किया

कि मेजर ध्यानचंद जी ने अपने असाधारण खेल से विश्व पटल पर भारत को एक नई पहचान दी व अनगिनत खिलाड़ियों के प्रेरणास्रोत बने। जनभावना को देखते हुए खेल रत्न पुरस्कार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हार्दिक धन्यवाद।%%

भारत को मिलेगा कोरोना के खिलाफ चौथा हथियार

नई दिल्ली।
अमेरिकी फॉर्मा कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन ने भारत में कोरोना के खिलाफ सिंगल डोज वाली वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी मांगी है। अगर सरकार के द्वारा इसकी मंजूरी दी जाती है तो यह चौथी वैक्सीन होगी, जिनकी मदद से भारत में महामारी के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही है। आपको बता दें कि भारत में फिलहाल कोवैक्सिन, कोविशील्ड और रूसी वैक्सीन स्पूतनिक-वी की मदद से बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। कोवैक्सीन, कोविशील्ड और स्पूतनिक-वी, ये तीनों डबल डोज वाली वैक्सीन है। इनकी मदद से 130 करोड़ के करीब जनसंख्या वाले देश में 49.53 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। अगर जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी मिलती है तो यह सिंगल डोज वाली पहली वैक्सीन होगी, जिसका इस्तेमाल भारत में किया जाएगा। कंपनी ने इससे पहले सोमवार को कहा था कि वह भारत में अपनी एकल खुराक वाली कोविड-19 वैक्सीन लाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस संबंध में भारत सरकार के साथ चल रही चर्चा को लेकर आशान्वित है। कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'जॉनसन एंड जॉनसन प्राइवेट लिमिटेड ने पांच अगस्त 2021 को भारत सरकार के पास अपनी एकल खुराक वाली कोविड-19 वैक्सीन के ईयूए के लिए आवेदन किया।' बयान में कहा गया कि यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो बायोलॉजिकल ई लिमिटेड के साथ कंपनी के गठजोड़ से भारत के लोगों और बाकी दुनिया को कोविड-19 वैक्सीन की एकल-खुराक का विकल्प देता है।

दिल्ली में बीजेपी सांसदों की बैठकः मंच पर दिखी वसुंधरा राजे, बैनरों से गायब

जयपुर। ऐसे समय में जब राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के भीतर अंदरूनी कलह खुले में है, पार्टी नेताओं ने दिल्ली में एक बैठक बुलाकर यह संदेश दिया कि राज्य में वर्तमान युवा नेतृत्व को खुली छूट दी जाए। यह 2023 में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के लिए मार्ग प्रशस्त करने के लिए किया गया है। हैरानी की बात यह है कि मंच पर मौजूद राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता वसुंधरा राजे की तस्वीर मंच के पीछे लगे बैनर से गायब थीं। बैनर में चार तस्वीरें थीं- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, विपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया की। वही पोस्टर राज्य भाजपा मुख्यालय में लगाया गया है और राजस्थान में उस समय चर्चा का विषय बना हुआ था जब वसुंधरा राजे की तस्वीर वाले पहले वाले पोस्टर को हटा दिया गया था।पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि राज्य मुख्यालय में पार्टी की बैठक में वही पोस्टर लगाना एक संदेश है कि भगवा पार्टी मौजूदा नेतृत्व के साथ आगे बढ़ेगी। इस बीच, राजस्थान में राजे समर्थक उन्हें 2023 के विधानसभा चुनावों के लिए अगले मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। राजे के समर्थकों में से एक रोहिताश शर्मा को हाल ही में पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बोलने के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। गुरुवार को हुई बैठक को नड्डा, राजस्थान भाजपा प्रभारी अरुण सिंह और सतीश पूनिया ने संबोधित किया। नड्डा के संबोधन में साफ तौर पर कहा गया है कि राज्य संगठन और केंद्र सरकार के बीच उचित समन्वय की जरूरत है, जहां दोनों को मिलकर काम करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री का विपक्ष पर हमला, बोले, संसद सत्र में तथ्यहीन मुद्दा लाकर बेवजह कर रहे हंगामा

खनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संसद सत्र में विपक्ष के हंगामा करने पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष के पास कभी भी कोई मुद्दा नहीं होता है। संसद के हर सत्र में बिना किसी तथ्य के हंगामा करना इनकी आदत सी हो गयी है। बेवजह संसद को ठप किया जा रहा है। हर चुनाव को प्रभावित करना इनकी चाल है। हर संसद सत्र में तथ्यहीन नया मुद्दा लाकर हंगामा करते हैं। यह लोग तो जनता के साथ धोखा कर रहे हैं। इनकी एक ही मकसद है, अपना और सरकार का समय खराब करना। मुख्यमंत्री शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भाजपा की आईटी सेल की कार्यशाला में समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पेगासस मामले को लेकर विपक्ष पर हमला किया। योगी ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भी राफेल का मुद्दा उछाला गया था, लेकिन जनता ने विपक्ष के आरोपों को नाकारा था। संसद में देश के अंदर आंतरिक व आगे की रणनीति पर चर्चा हो सकती थी। कोरोना से रोजगार पर पड़े असर पर भी चर्चा हो सकती थी, लेकिन विपक्ष ने गलत मुद्दे को लेकर सनसनी पैदा कर संसद नहीं चलने दी। जो लोग पेगासस के मुद्दे को उठा रहे हैं, उनके पास कोई तथ्य नहीं हैं। कुछ दिन पहले इंटरनेट मीडिया पर पेगासस को लेकर एक मुद्दा बनाकर देश की संसद को बदनाम करने की कोशिश की गयी।

लद्दाख में उच्च शिक्षा को लेकर सरकार का बड़ा कदम

नई दिल्ली। लद्दाख में उच्छ शिक्षा की दिशा में केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोकसभा में शुक्रवार को 'केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021' को मंजूरी दे दी गई, जिसमें केंद्र शासित क्षेत्र लद्दाख में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। इस संस्थान का नाम 'सिंधु केंद्रीय विश्वविद्यालय' होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 'केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021 को चर्चा एवं पारित करने के लिये रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त को घोषणा की थी कि लद्दाख में केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अनुच्छेद 370 हटने का एक सुखद संकेत भी है। पहले लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया और अब वहां केंद्रीस विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में 2500 विद्यार्थियों के पढ़ने की व्यवस्था रहेगी। विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद वहां के विद्यार्थियों का देश के साथ भावनात्मक एकीकरण होने में मदद मिलेगी। पेगासस जासूसी विवाद, किसान आंदोलन जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर चल रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच निचले सदन ने 'केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021' को मंजूरी दे दी।

एक्शन में राहुल गांधी विपक्षी नेताओं संग किसानों के समर्थन में जाएंगे जंतर-मंतर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार द्वारा संसद में पास कराए गए तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदलोन कई महीनों से जारी है। संसद में मॉनसून सत्र चल रहा है, इस कारण किसानों का यह प्रदर्शन जंतर-मंतर तक आ पहुंचा है। यहां कई दिनों से सैकड़ों किसान डेरा डाले हुए हैं। उनके इस आंदोलन को लगातार अपना समर्थन दे रही कांग्रेस पार्टी के सांसद राहुल गांधी आज विपक्षी नेताओं के संग जंतर-मंतर जाएंगे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'कृषि कानूनों को निरस्त करने की किसानों की मांग का समर्थन करने के लिए सभी विपक्षी दल आज जंतर-मंतर जाएंगे, इसमें राहुल गांधी भी शामिल होंगे। इसके बाद विपक्षी दलों के नेता संसद में बैठक करेंगे। वहीं, पेगासस मामले पर संसद के दोनों सदनों में चल रहे गतिरोध के बीच कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के नेता शुक्रवार की सुबह बैठक कर आगे की रणनीति तय करेंगे। सूत्रों ने बताया कि संसद के दोनों सदनों में प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं की यह बैठक शुक्रवार को सुबह राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संसद भवन स्थित कक्ष में होगी। पेगासस और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर, संसद के मॉनसून सत्र में शुरू से ही दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है। 19 जुलाई से यह सत्र आरंभ हुआ था, लेकिन अब तक दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित रही है। विपक्षी दल इस बात जोर देते आ रहे हैं कि पेगासस जासूसी मुद्दे पर पहले चर्चा कराने के लिए सरकार के तैयार होने के बाद ही संसद में गतिरोध खत्म होगा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्ष की मांग को खारिज करते हुए गत शुक्रवार को लोकसभा में कहा था कि यह कोई मुद्दा ही नहीं है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और खड़गे पिछले कुछ दिनों में विपक्ष के नेताओं के साथ कई बार बैठकें कर चुके हैं। इससे पहले तीनों कृषि कानूनों और पेगासस जासूसी कांड सहित विभिन्न मुद्दों के खिलाफ गुरुवार को भारतीय युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह और राम्या हरिदास समेत 589 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में कांग्रेस के चार विधायक- राजस्थान के गणेश घोगरा, केरल के शफी परम्बिल, मध्य प्रदेश के विपिन वानखेड़े और भिलाई, छत्तीसगढ़ के देवेंद्र यादव शामिल हैं। भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने महंगाई, बेरोजगारी, तीन 'काले' कृषि कानूनों और पेगासस जासूसी कांड के खिलाफ 'संसद घेराव' का आयोजन किया था।उन्होंने भाजपा पर चर्चा से भागने और संसद में विधेयक पारित करने का आरोप लगाया। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने जंतर-मंतर रोड से मार्च करना शुरू किया और उन्हें 6, रायसीना रोड के पास हिरासत में ले लिया गया, लेकिन उन्हें बाद में रिहा कर दिया गया।

उरई में बाढ़ का कहर सेना ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने का काम किया शुरू

नई दिल्ली। उरई के कालपी, रामपुरा और कुठौंद क्षेत्र में यमुना व सिंध नदियों का पानी लगातार तेजी से बढ़ना जारी है। हालात बिगड़े को सेना बुला ली गई, गुरुवार देर रात सेना ने रामपुरा क्षेत्र में मोर्चा संभाल लिया। सैकड़ों लोग बाढ़ में फंसे हैं जिनको निकाला जाना है। कुठौंद-औरैया हाईवे पर नदी जैसा आलम हो गया है, सड़क पर नावें चल रही हैं। गुरुवार रात पानी का बहाव तेज होने और अंधेरे के कारण एनडीआरएफ और सेना को रेस्क्यू आपरेशन में दिक्कत हुई। शुक्रवार सुबह से ही सेना ने मोर्चा संभाल लिया और सबसे ज्यादा प्रभावित गांव में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। सेना ने अपनी टीमों को कुसरेपुरा, मुल्लेकापुरा, निनावली, मोहब्बतपुरा, बिहौड़, किशनपुरा आदि गांव से ग्रामीणों को रेस्क्यू कर निकालने के लिए भेजा है। सेना के जवान अपनी बोटों से पानी के सैलाब को चीरते हुए प्रभावित गांव में पहुंच गए हैं और वहां से लोगों को लाने का काम शुरू कर दिया गया। मौके पर एसडीएम सालिकराम और प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद हैं। रेस्क्यू किए जा रहे ग्रामीणों को रामपुरा स्थित राजा चित्तरसिंह बालिका विद्यालय में ठहराया जायेगा। इधर औरैया-कुठौंद हाइवे पर बाढ़ का पानी आने से कुठौंद पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया है, जबकि कालपी में आधा दर्जन मोहल्लों में पानी आ जाने के बाद वहां पर नावें भेजकर प्रशासन ने लोगों को निकालना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने घरों का सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ घर खाली करने शुरू कर दिए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

41 साल बाद

भारत के लिए अविस्मरणीय पल है। गुरुवार को जहां हॉकी खिलाड़ियों की कम से कम पांच पीढ़ियों के बाद भारत को ओलंपिक में कोई पदक हासिल हुआ है, तो वहीं भारतीय पहलवान रवि दहिया को कुश्ती में मिला रजत पदक सोने पर सुहागे की तरह है। सबसे खास बात यह है कि जर्मनी के खिलाफ 3-1 से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम 5-4 से यह मुकाबला जीती है। उन सात मिनटों को हमेशा याद किया जाएगा, जब भारत ने चार गोल करके मैच को अपने कब्जे में कर लिया। देश जीत का जश्न मना रहा है और कप्तान मनप्रीत सिंह के साथ ही पूरी हॉकी टीम पर सौगातों की बारिश शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री न केवल मैच देख रहे थे, बल्कि उन्होंने मैच जीतने के बाद फोन करके पूरी हॉकी टीम को बधाई दी है। 41 साल और आठ प्रधानमंत्रियों के छोटे-बड़े कार्यकाल के बाद मिली स्वर्णिम जीत के महत्व को प्रधानमंत्री के शब्दों से भी समझा जा सकता है। उन्होंने कहा है, 'टोक्यो में हॉकी टीम की शानदार जीत पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। यह नया भारत है, आत्मविश्वास से भरा भारत है।' वाकई इस जीत से देश में खेल जगत में आत्मविश्वास बढ़ेगा। युवाओं में देश के लिए कुछ कर गुजरने की भावना का संचार होगा। 1980 के मास्को ओलंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद भारतीय टीम कभी ओलंपिक में पांचवें स्थान से ऊपर नहीं जा पाई थी। सातवें, आठवें और 12वें स्थान से भी उसे संतोष करना पड़ता था। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य जीतने के बाद भारतीय गोलकीपर पी आर श्रीजेश का गोलपोस्ट पर चढ़ बैठना वह जरूरी जयघोष है, जिसकी भारत को जरूरत है। साल 2012 के लंदन ओलंपिक में भारतीय टीम पांच में से एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई थी, तब श्रीजेश और मनप्रीत जैसे खिलाड़ियों को हर जगह सिर झुकाए रहना पड़ता था और लोग भारतीय खिलाड़ियों पर हंसते थे, उन तमाम हंसने वालों को गुरुवार को जवाब मिल गया, श्रीजेश ने बिल्कुल सही कहा कि मुझे मुस्कराने दीजिए। भारतीय हॉकी एक लंबे संघर्ष से निकलकर आई है। इस टीम से दो-तीन साल पहले किसी को कोई उम्मीद नहीं थी, तभी तो कोई प्रायोजक साथ आने को तैयार नहीं था। ओडिशा सरकार और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक बधाई के वास्तविक पात्र हैं कि साल 2018 में उन्होंने भारतीय हॉकी का हाथ थामा। नतीजा आज सामने है, यहां से भारतीय हॉकी में नए युग का आगाज हो सकता है। आज अगर नवीन पटनायक को हॉकी में मिली जीत का नायक बताया जा रहा है, तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं। दूसरी राज्य सरकारों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। खेलों को केवल निजी क्षेत्र या निजी प्रायोजकों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिन खेलों में पदक जीतने की ज्यादा संभावना है, या भरपूर प्रतिभाएं हैं, उन खेलों में राज्य सरकारों को भी प्रायोजक बनने के लिए आगे आना चाहिए। खेलों के लिए उतना नहीं किया जा रहा है, जितना दूसरे देश कर रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि हम स्वर्ण की दौड़ में उस बेल्जियम से हार गए थे, जिसकी आबादी डेढ़ करोड़ भी नहीं है। छोटे-छोटे देशों ने खेलों पर किस तरह से तन-मन-धन का निवेश किया है, भारत के लिए इसे देखने-परखने का माकूल मौसम है। भारतीय हॉकी में आई नई चमक बेकार नहीं जानी चाहिए। बेशक, आज कांस्य पदक हाथ लगा है, कल स्वर्ण बरसेगा।

'आज के ट्वीट

गर्वित

देश को गर्वित कर देने वाले पलों के बीच अनेक देशवासियों का ये आग्रह भी सामने आया है कि खेल रत्न पुरस्कार का नाम मेजर ध्यानचंद जी को समर्पित किया जाए। लोगों की भावनाओं को देखते हुए, इसका नाम अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार किया जा रहा है। जय हिंद! -- नरेन्द्र मोदी

चीनी मांझे पर रोक बेहद जरूरी

- रंजना मिश्रा

कुछ खास अवसरों जैसे स्वतंत्रता दिवस, मकर संक्रांति, रक्षाबंधन आदि पर पतंगबाजी का शौक लोगों के सिर चढ़कर बोलता है। हमारे देश में पतंग उड़ाने की परंपरा रही है और यह परंपरा आज भी कायम है, किंतु लोगों का यह शौक तब जानलेवा बन जाता है, जब पतंग के शौकीन एक-दूसरे की पतंग काटने के लिए चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करते हैं। चाइनीज मांझा पतंग की वह डोर है जो इतनी खतरनाक होती है कि किसी भी इंसान का गला तक काट सकती है और उस व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो जाती है। यह चाइनीज मांझा खंजर से भी ज्यादा तेज धार का होता है। पल भर में लोगों को अपना शिकार बना लेता है, इसीलिए अब इसे मौत की डोर कहा जाने लगा है। जगह-जगह बिकने वाला मौत का यह मांझा जहां पतंगबाजों के लिए खुशी लेकर आता है, वहीं यह राहगीरों का दुश्मन है। ऐसा दुश्मन जो किसी राहगीर को दिखाई तक नहीं देता। खास अवसरों पर पतंगबाजी के लिए इसका खूब प्रयोग किया जाता है। पतंग उड़ाने वाले अक्सर मजबूत धागे वाले मांझे खरीदते हैं ताकि कोई उनकी पतंग को काट न सके। आसमान में तो उनकी पतंग को कोई काट नहीं पाता लेकिन उनकी यह डोर लोगों के गले जरूर काट देती है। चाइनीज मांझा दिल्ली में 10 जनवरी 2017 से बैन है, किंतु कुछ लोगों का शौक और सिस्टम की लापरवाही की पतंग, जब कातिल मांझे के दम पर उड़ान भरती है तो खामियाजा किसी बेगुनाह को उठाना पड़ता है, इसी वजह से हर वर्ष चाइनीज मांझे के कारण कई लोगों को देश में जान गंवानी पड़ती है। केवल चाइनीज मांझा ही नहीं इसके अलावा और भी बहुत से खतरनाक मांझे बाजार में धड़ल्ले से बिक रहे हैं। चाइनीज मांझे के इस्तेमाल, बिक्री और स्टॉक पर प्रतिबंध है, इसके बावजूद इसकी बिक्री और खरीद बंद नहीं हो रही और इससे होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे। बैन के बावजूद राजधानी दिल्ली में भी चीनी मांझा धड़ल्ले से बिकता है। कई पतंगबाज लगातार इस प्रतिबंधित मांझे का इस्तेमाल कर लोगों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। इसकी चपेट में आकर पिछले सालों में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, हजारों की तादाद में पंछी हर साल जख्मी होते हैं। लॉकडाउन खुलने के बाद अब सड़कों पर चहल-पहल बढ़ गई है, ऐसे में यह कातिल मांझा अगर यूं ही बिकता रहा तो पतंग उड़ाने वाले सीजन में यह कई जानलेवा हादसों को अंजाम दे सकता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जुलाई 2017 में खतरनाक चीनी मांझे की बिक्री पर पूरे देश में बैन लगा दिया था। पीपल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल (पीटा) की अर्जी पर यह आदेश किया गया था। मांझा बनाने वाली कंपनियां सुप्रीम कोर्ट भी गईं, लेकिन उन्हें वहां से राहत नहीं मिली। हौज काजी का लालकुआं, जाफराबाद, सदर, लाहौरी गेट इलाका पतंग मांझा का बड़ा बाजार है, अब मांझा चीन से नहीं बल्कि तेज धार के साथ देश में ही बन रहा है। दिल्ली से सटे नोएडा में इसकी फैक्ट्रियां हैं, जहां यह धड़ल्ले से बन रहा है, इसकी दिल्ली के बाजारों में भी सप्लाई हो रही है। एक तरफ जहां इस मांझे से सड़क चलते लोगों के गाल और गले कट रहे हैं, वहीं ये चाइनीज दुश्मन लखनऊ मेट्रो को भी भारी नुकसान पहुंचा रहा है। लखनऊ में चाइनीज मांझे की बिक्री धड़ल्ले से जारी है। त्योहारों के दौरान पतंगबाजी बढ़ती है और चाइनीज मांझे की बिक्री भी। चाइनीज मांझे से लैस पतंग जब मेट्रो के ओएचई लाइन पर गिरती है तो पूरी लाइन ही ट्रिप कर जाती है, जिससे मेट्रो को घंटों खड़े रहना पड़ता है और मुसाफिर परेशान होते हैं। मेट्रो विकास की पहचान बन रहा है पर पतंग के शौकीनों का चाइनीज मांझे से लगाव समाप्त न हो पाने के कारण, महज कुछ रुपए के मांझे ने हजारों करोड़ की मेट्रो को रोककर नया सरदर्द दे दिया है। साधारण मांझा धागे से बनता है और उस पर कांच की लेयर चढ़ाई जाती है, यह भी काफी खतरनाक होता है लेकिन ये आसानी से टूट जाता है, ऐसे में इसे कम खतरनाक माना जाता है, किंतु चाइनीज मांझे में प्लास्टिक, नायलॉन और लोहे का बुरादा मिला होता है। विभिन्न धातुओं के मिश्रण से तैयार होने से यह पतंग के पेंच लड़ाने में अधिक कारगर होता है इसीलिए अब इसका प्रयोग अधिक किया जाने लगा है। विभिन्न धातुओं के मिश्रण से बने होने के कारण यह बेहद धारदार और विद्युत सुचालक होता है, इसके उपयोग के दौरान दुपहिया वाहन चालकों और पक्षियों के जानमाल का नुकसान होता है। यह मांझा जब बिजली के तारों के संपर्क में आता है तो विद्युत सुचालक होने के कारण यह पतंगबाजी करने वालों के लिए भी जानलेवा साबित होता है और इससे बिजली की सप्लाई में भी बाधा पहुंचती है। कई बार दो तारों के बीच इस धागे के संपर्क से शॉर्ट सर्किट भी हो जाते हैं। इसलिए सरकार ने धातु वाले मांझे और चाइनीज मांझे की थोक और खुदरा बिक्री या इसके उपयोग पर प्रतिबंध का आदेश जारी कर दिया है। यह मांझा मजबूत होने के साथ-साथ सस्ता भी होता है। चाइनीज मांझे पर दुकानदारों को मार्जिन भी ज्यादा है। एक रील सूती मांझे और चाइनीज मांझे में लगभग 500 से 700 रुपए का अंतर है। जब लोग पतंग उड़ाते हैं तो उनका लक्ष्य होता है कि उनकी पतंग कोई काट ना पाए और वो ज्यादा से ज्यादा दूसरों की पतंग काटें, ऐसे में वो इस मांझे को पसंद करते हैं और इससे पतंग उड़ाते हैं, क्योंकि दूसरे पतंग वालों के लिए इस मांझे को काटना थोड़ा मुश्किल होता है, यह आसानी से टूटता नहीं है और लंबे समय तक इससे पतंग उड़ाई जा सकती है। मनोरंजन जब इंसान और बेजुबानों की जान के लिए खतरा बन जाए तो उसे बंद कर देना ही अच्छा होता है। जब से चाइनीज मांझा देश में आया, तब से कितने ही बच्चों, बड़ों और बेजुबान पक्षियों की जान ले चुका तथा कितनों को ही घायल कर चुका है, अतः इस पर अब पूरी तरह से रोक लगना बहुत आवश्यक है। इसके लिए सरकार और प्रशासन को अत्यधिक सचेत होना पड़ेगा और चोरी-छुपे इस मांझे को बनाने, बेचने और खरीदने वालों पर कड़ी कार्रवाई करनी पड़ेगी। जहां-जहां इस मांझे को बनाने की फैक्ट्रियां हैं, वहां छापा मारकर बनाने वालों को पकड़ना चाहिए। उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए और उन्हें सख्त से सख्त सजा होनी चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति आगे से चोरी छुपे यह काम ना कर सके। जानलेवा होने के बावजूद जो लोग महज अपने थोड़े से मनोरंजन के लिए, इसके प्रयोग को बंद नहीं कर रहे हैं और जो दुकानदार बैन होने के बावजूद इसकी धड़ल्ले से बिक्री कर रहे हैं, उन्हें सख्त से सख्त सजा दिलाने की आवश्यकता है। लोगों को भी जागरूक बनना होगा और उन्हें इसके प्रयोग से बचना होगा। बाजार से चाइनीज मांझे की बजाय सामान्य मांझा ही खरीदना चाहिए। बच्चों और अन्य लोगों को इससे होने वाले नुकसान और खतरे से अवगत कराना चाहिए। बड़ों को इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि बच्चे किस प्रकार के मांझे का प्रयोग कर रहे हैं। पतंग के कहीं उलझने या टकराने पर उसे खींचने का प्रयास नहीं करना चाहिए, इससे संबंधित वस्तु को नुकसान पहुंच सकता है। सुरक्षित स्थान पर खड़े रहकर पतंग उड़ाना चाहिए और इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि मांझा किसी को स्पर्श ना कर सके, इससे आसपास के लोग सुरक्षित रहेंगे। बच्चों को बीच सड़क पर पतंग न उड़ाने दें। जहां बिजली के तार और खंभे लगे हों, ऐसी जगह पर भी पतंगबाजी नहीं करनी चाहिए। पतंग उड़ाने के लिए कम चहल-पहल वाली जगह ही चुनें, वरना पतंग उड़ाते समय बार-बार डोर फंसती है और ऐसे में कई बार दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं। प्रशासन के कड़े निर्देशों के बावजूद जो लोग इसका प्रयोग करते पाए जाएं, उनकी सूचना पुलिस को देनी अनिवार्य है, अन्यथा ये दुर्घटनाएं कभी थमने का नाम नहीं लेंगी। (लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

मनुष्यता

आचार्य रजनीश ओशो/ तन और मन अलग-अलग खुश नहीं हो सकते, न अलग-अलग दुखी हो सकते हैं। दोनों एक ही अस्तित्व के दो आयाम हैं, जिन्हें एक साथ संभाला और संवारा जाना जरूरी है। मनुष्य एक बीमारी है। यही उसकी तकलीफ है और यही उसकी खूबी भी। यही उसका सौभाग्य है और यही उसका दुर्भाग्य भी। रोग ने ही मनुष्य को सारा विकास दिया है। रोग का मतलब यह है कि हम जहां हैं, वहीं राजी नहीं हो सकते। रोग ही मनुष्य की गति बना, लेकिन वही उसका दुर्भाग्य भी है, क्योंकि इसी रोग की वजह से वह बेचैन है, परेशान है, अशांत है, दुखी है। यह जो मनुष्य नाम का रोग है, इस रोग को सोचने, समझने और हल करने के दो उपाय किए गए हैं। एक उपाय औषधि है और दूसरा ध्यान। ये दोनों एक ही रोग का इलाज हैं। औषधि शास्त्र मनुष्य के रोग को आणविक दृष्टि से देखता है। औषधि शास्त्र मनुष्य के एक-एक रोग के साथ अलग-अलग व्यवहार करता है। ध्यान मनुष्य को संपूर्ण बीमार मानता है। ध्यान मनुष्य के व्यक्तित्व को बीमार मानता है। हालांकि, धीरे-धीरे यह दूरी कम हुई है और औषधि शास्त्र ने भी कहना शुरू किया है कि बीमारी का नहीं, बीमार का इलाज करो। यह बड़ी गंभीर बात है, क्योंकि इसका मतलब यह है कि बीमारी भी बीमार के जीने का एक ढंग है। हर आदमी एक-सा बीमार नहीं हो सकता। ऐसा जरूरी नहीं है कि दो लोग क्षय रोग से पीड़ित हों और दोनों एक ही तरह के बीमार हों। दोनों में क्षय रोग भी दो तरह का होगा, क्योंकि वे दो व्यक्ति हैं। हो सकता है कि जो इलाज एक के क्षय को ठीक कर सके, वह दूसरे के क्षय को ठीक न कर सके। इसलिए समस्या की जड़ बीमारी नहीं, बीमार है। औषधि शास्त्र ऊपर से बीमारियों को पकड़ता है। ध्यान का शास्त्र गहराई से बीमारियों को पकड़ता है। इसे ऐसा कह सकते हैं कि औषधि मनुष्य को ऊपर से स्वस्थ करने की चेष्टा करती है। ध्यान मनुष्य को भीतर से स्वस्थ करने की चेष्टा करता है। न तो ध्यान पूर्ण हो सकता है औषधि शास्त्र के बिना और न औषधि शास्त्र पूर्ण हो सकता है ध्यान के बिना। मनुष्य हजारों वर्षों से इस तरह सोचता रहा है कि आदमी का शरीर अलग है और आत्मा अलग। इस चिंतन के दो खतरनाक परिणाम हुए। एक तो यह हुआ कि कुछ लोगों ने आत्मा को ही मनुष्य मान लिया, शरीर की उपेक्षा कर दी। जिन कौमों ने ऐसा किया, उन्होंने ध्यान का तो विकास किया, लेकिन औषधि का विकास नहीं किया।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

लवलीना बोरगोहेन: पहले ही ओलम्पिक में रच दिया इतिहास

योगेश कुमार गोयल

भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन भले ही टोक्यो ओलम्पिक में स्वर्ण या रजत पदक जीतने से चूक गईं लेकिन उन्होंने अपने पहले ही ओलम्पिक में जिस प्रकार कांस्य पदक भारत के नाम किया है, वह भी छोटी उपलब्धि नहीं है। 23 वर्षीया लवलीना का यह पदक न केवल टोक्यो ओलम्पिक में भारत का तीसरा पदक है बल्कि मुक्केबाजी में भी यह अबतक का भारत का तीसरा पदक ही है। लवलीना की उपलब्धि इसलिए भी बहुत बड़ी मानी जा सकती है क्योंकि उनकी बदौलत ही मुक्केबाजी में ओलम्पिक खेलों में नौ वर्ष लंबे अंतराल के बाद भारत को कोई पदक मिला है और ओलम्पिक में मुक्केबाजी में कोई पदक जीतने वाली वह दूसरी महिला मुक्केबाज भी बन गई हैं। लवलीना के लिए ओलम्पिक की तैयारी आसान नहीं थी क्योंकि कोरोना संक्रमण के कारण वह अभ्यास के लिए यूरोप नहीं जा सकी थी। लवलीना से पहले 2012 में मेरीकॉम ने कांस्य पदक जीता था और 2008 में विजेन्दर सिंह भी कांस्य पदक जीतने में ही सफल हुए थे। टोक्यो ओलम्पिक की बात करें तो हालांकि अभी भारत के कुछ और पदक जीतने की प्रबल संभावनाएं हैं लेकिन लवलीना से पहले वेट लिफ्टिंग में मीराबाई चानू रजत और बैडमिंटन में पीवी सिंधू कांस्य पदक जीतने में सफल रही हैं। लवलीना के पास भारत के लिए स्वर्णिम इतिहास रचने का अवसर था लेकिन वह महिला 69 किलो वर्ग के सेमीफाइनल मैच में विश्व चैम्पियन तुर्की की मुक्केबाज बुसेनाज सुरमेनेली से तीनों ही राउंड 0-5 से हार गई। यदि वह यह मैच जीत जाती तो ओलम्पिक में स्वर्ण के लिए लड़ने वाली भारत की पहले मुक्केबाज भी बन जाती। दरअसल हड़बड़ाहट में हुई लवलीना की कुछ गलतियां उन पर भारी पड़ी। बुसेनाज 2019 की विश्व चैम्पियनशिप की विजेता रही हैं जबकि लवलीना को उसमें कांस्य पदक मिला था, हालांकि उस टूर्नामेंट में दोनों के बीच कोई मुकाबला नहीं हुआ था। बुसेनाज के साथ लवलीना का ओलम्पिक में पहला ही मुकाबला था। वैसे अपने पहले ही ओलम्पिक में लवलीना ने अपनी जीत के अभियान का शानदार आगाज किया था। 27 जुलाई को अपने पहले मुकाबले में उन्होंने जर्मनी की नेदिन एपेट्ज को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। उसके बाद 30 जुलाई को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की निएन चिन चेन को 4-1 से हराकर भारत के लिए पदक जीतना सुनिश्चित कर लिया था। बेहद आक्रामक बॉक्सर मानी जाने वाली बुसेनाज से लवलीना भले ही मुकाबला हार गई लेकिन अपने पहले ही ओलम्पिक में इतिहास रचकर पूरी दुनिया को उन्होंने दिखा दिया कि उनके मुक्कों में कितना दम है। 2012 में बॉक्सिंग की शुरुआत करने के बाद वह अपने अबतक के कैरियर में 2018 और 2019 की विश्व चैम्पियनशिप के दो कांस्य पदक जीत चुकी हैं। दिल्ली में आयोजित पहले इंडिया ओपन इंटरनेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में स्वर्ण तथा गुवाहाटी में आयोजित दूसरे इंडिया ओपन इंटरनेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में रजत पदक भी जीत चुकी हैं। फरवरी 2018 में आयोजित इंडिया ओपन इंटरनेशनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में सफलता के बाद 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चयन होने के बाद लवलीना के कैरियर को नए पंख लगे। उन राष्ट्रमंडल खेलों में लवलीना के भाग लेने का मामला भी काफी दिलचस्प है। दरअसल कॉमनवेल्थ गेम्स वेल्टरवेट बॉक्सिंग कैटेगरी में भाग लेने के लिए चुने जाने की लवलीना को कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली थी बल्कि उन्हें मीडिया के जरिये ही इसकी सूचना मिली थी। सितम्बर 2018 में लवलीना पोलैंड में 13वीं अंतर्राष्ट्रीय सिलेसियन चैम्पियनशिप में कांस्य, जून 2018 में मंगोलिया में उलानबटार कप में रजत, नवम्बर 2017 में वियतनाम में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में कांस्य तथा जून 2017 में अस्ताना में आयोजित राष्ट्रपति कप में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। दिल्ली में आयोजित एआईबीए (आईबा) महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में वह पहली बार भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 23 नवम्बर 2018 को कांस्य पदक जीतने में सफल हुई थी। उसके बाद 2019 की आईबा महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। मार्च 2020 में लवलीना ने एशिया और ओशिनिया बॉक्सिंग ओलम्पिक क्वालीफायर टूर्नामेंट में उज्बेकिस्तान की मफतुनाखोन मेलिएवा को 5-0 से हराकर 69 किग्रा वर्ग में ओलम्पिक कोटा हासिल किया था और ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई करने वाली असम की पहली खिलाड़ी बन गई थी। मुक्केबाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 2020 में उन्हें राष्ट्रपति द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और वह अर्जुन पुरस्कार प्राप्त करने वाली असम की छठी व्यक्ति बनी थी। मुक्केबाजी में आने से पहले लवलीना ने अपनी जुड़वां बड़ी बहनों लीचा और लीमा को देखकर किक बॉक्सिंग करना शुरू किया था, जिसमें वह राष्ट्रीय स्तर पर पदक भी जीत चुकी हैं जबकि लीचा और लीमा ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा तो की लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाई। असम के गोलाघाट जिले में 2 अक्तूबर 1997 को जन्मी लवलीना के पिता टिकेन एक छोटे व्यवसायी थे जबकि उनकी मां बीमार रहती हैं। आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्हें समाज के ताने सुनते हुए बेहद कड़ी मेहनत करनी पड़ी। जब वह बारपाथर गर्ल्स हाई स्कूल में पढ़ती थी, उस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण ने वहां एक ट्रायल आयोजित किया, जहां लवलीना ने भी भाग लिया था और मुक्केबाजी में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए 2012 से साई एसटीसी गुवाहाटी में प्रसिद्ध कोच पदुम चंद्र बोडो द्वारा उनका चयन किया गया था, बाद में संध्या गुरुंग ने उन्हें कोचिंग दी। लवलीना बताती हैं कि वे तीन बहनें हैं और लोग अक्सर बोलते थे कि तुम्हारे माता-पिता ने जरूर पिछले जन्म में कुछ गलतियां की होगी, जिस वजह से इन्हें तीन-तीन लड़कियां हुई। लवलीना के मुताबिक जब वह बॉक्सिंग में आई, तब भी लोग इस तरह की बहुत बातें किया करते थे। ऐसे में उनके लिए ओलम्पिक की राह इतनी आसान नहीं थी लेकिन अपने पहले ही ओलम्पिक में लवलीना ने साबित कर दिखाया कि हिम्मत और जुनून के आगे कुछ भी मुश्किल नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

बर्नार्ड अरनॉल्ट, जेफ बेजोस को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अमीर व्यक्ति बने

नई दिल्ली। लुइस वुइटन मोएट हेनेसी के अध्यक्ष बर्नार्ड अरनॉल्ट अमेजॉन के संस्थापक जेफ बेजोस को पीछेकर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। फोर्ब्स रियल-टाइम अरबपतियों की सूची के अनुसार, फ्रांसीसी व्यवसायी की कुल संपत्ति 19890 करोड़ डॉलर आंकी गई है। अर्नाल्ट इससे पहले दिसंबर 2019, जनवरी 2020 और मई 2021 में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के खिताब से नवाजे गए थे। नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, बेजोस की कुल संपत्ति 19490 करोड़ डॉलर थी जबकि एलोन मस्क तीसरे स्थान पर है। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख मस्क की कुल संपत्ति 185.5 अरब डॉलर आंकी गई है। अर्नाल्ट ने एलोन मस्क को पछाड़ दिया था जब कंपनी ने 2021 में पहली तिमाही में 14 यूरो बिलियन का राजस्व दर्ज किया, जो 2020 की पहली तिमाही की तुलना में 32 प्रतिशत बढ़ गया था। एलवीएचएम में 70 ब्रांड शामिल हैं, जिनमें लुई वीटन, सेफोरा, टिफनी एंड कंपनी, स्टेला मेकार्टनी, गुच्ची, क्रिश्चियन डायर और गिवेंची शामिल हैं, जिन्हें एलवीएमएच के तहत स्वतंत्र रूप से कंट्रोल और संचालित किया जाता है।

खिलौना उद्योग में नोएडा से मिलेगी चीन को कड़ी टक्कर

लखनऊ। अब चीन के खिलौना उद्योग को नोएडा से कड़ी टक्कर मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुसार योगी सरकार नोएडा के सेक्टर 33 में टॉय पार्क का निर्माण करवाया है। इस पार्क में खिलौना बनाने की फैक्ट्री लगाने के लिए 134 उद्योगपतियों ने भूखंड लिया है। यह 134 उद्योगपति 410.13 करोड़ रुपए का निवेश कर जल्दी ही टॉय पार्क में अपनी फैक्ट्री स्थापित करेंगे। इन खिलौना फैक्ट्रियों में 6157 लोगों को स्थायी रोजगार मिलेगा। बीते वर्ष मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलौना कारोबार में दुनिया में देश की हिस्सेदारी बढ़ाने का आहवान किया था। जिसका संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने खिलौना कारोबार को बढ़ावा देने के लिए कई फैसले लिए। इसी क्रम में यूपी का पहला पहला खिलौना क्लस्टर (टॉय पार्क) यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद यीडा के सेक्टर 33 में टॉय पार्क के लिए सौ एकड़ से अधिक जमीन खिलौना उत्पादन करने वाली इकाईयां के लिए चिन्हित की गई। इस पार्क में उद्योगपतियों को अपनी फैक्ट्री स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया गया। यीडा के अधिकारियों के अनुसार, राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए तैयार कराई गई इंवेस्टर फ्रेंडली नीतियों के चलते खिलौना कारोबार में कार्यरत कई बड़ी कंपनियों ने टॉय पार्क में अपनी फैक्ट्री स्थापित करने के लिए कदम बढ़ाए हैं। अब तक 134 कंपनियों को टॉय पार्क में खिलौना फैक्ट्री स्थापित करने के लिए जमीन आवंटित की गई है। जमीन पाने वाली कंपनियां जल्दी ही टॉय पार्क में फैक्ट्री लगाने की कार्रवाई शुरू करेंगी। पार्क में जमीन लेने वाली देश की प्रमुख कंपनियों में फन जू टॉयज इंडिया, फन राइड टॉयस एलएलपी, सुपर शूज, आयुष टॉय मार्केटिंग, सनलार्ड अप्पारेल्स, भारत प्लास्टिक, जय श्री कृष्णा, गणपति क्रिएशन और आरआरएस ट्रेडर्स प्रमुख हैं। अधिकारियों का कहना है, टॉय पार्क में प्लास्टिक और लकड़ी से बने बैटरी से चलने वाले खिलौने बनेंगे, अभी चीन में बने ऐसे खिलौने देश में छोटे बच्चे खेलते हैं। टॉय पार्क में खिलौना फैक्ट्री लगाने के लिए आगे आयी ये कंपनियां चीनी में बने खिलौनों की मार्केट को चुनौती देंगी। अभी देश में खिलौना बनाने वाली करीब चार हजार से ज्यादा इकाइयां हैं।

विकास के लिए हर तरफ से लगातार नीतिगत समर्थन जरूरी : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अर्थव्यवस्था में नई रिकवरी को बढ़ाने के लिए मौद्रिक और राजकोषीय सहित सभी पक्षों से निरंतर नीतिगत समर्थन पर जोर दिया है। मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद एक वर्चुअल संबोधन में, दास ने कहा कि कुल मांग के दृष्टिकोण में सुधार हो रहा है, लेकिन अंतर्निहित स्थितियां अभी भी कमजोर हैं। इसके अलावा, कुल आपूर्ति भी पूर्व-महामारी के स्तर से नीचे है। उन्होंने कहा कि जहां आपूर्ति बाधाओं को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, वहीं अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में आपूर्ति-मांग संतुलन को बहाल करने के लिए और अधिक किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुद्रास्फीति के दबाव चिंता पैदा कर रहे हैं, लेकिन वर्तमान आकलन यह है कि ये दबाव अस्थायी हैं और बड़े पैमाने पर प्रतिकूल आपूर्ति पक्ष कारकों से प्रेरित हैं। गवर्नर ने कहा कि अर्थव्यवस्था महामारी से उत्पन्न असाधारण स्थिति के बीच में है। उन्होंने कहा, महामारी के दौरान मौद्रिक नीति के संचालन को अनुकूल वित्तीय स्थितियों को बनाए रखने के लिए तैयार किया गया है जो विकास को पोषित और फिर से जीवंत करते हैं। इसलिए, इस स्तर पर, सभी पक्षों से निरंतर नीति समर्थन आवश्यक है। अपने विकास समर्थन रुख को जारी रखने के लिए, आरबीआई ने वित्त वर्ष 22 की तीसरी मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान अपनी प्रमुख अल्पकालिक उधार दरों को बरकरार रखा है। इसके अलावा, उच्च खुदरा मुद्रास्फीति के स्तर के बावजूद आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विकास-उन्मुख समायोजन रुख को बरकरार रखा गया है। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने वाणिज्यिक बैंकों के लिए रेपो दर, या अल्पकालिक उधार दर को 4 प्रतिशत पर बनाए रखा है।

लगातार पांचवें दिन सोने में गिरावट

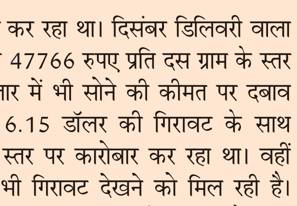

मुंबई । लगातार पांचवें दिन सोने की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर शुक्रवार को सुबह के 11.50 बजे अक्टूबर डिलिवरी वाला सोना 47 रुपए की गिरावट के साथ 47556 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। दिसंबर डिलिवरी वाला सोना 42 रुपए की गिरावट के साथ 47766 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। वैश्विक बाजार में भी सोने की कीमत पर दबाव देखा जा रहा है। इस समय यह 6.15 डॉलर की गिरावट के साथ 1802.75 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं एमसीएक्स पर चांदी के भाव में भी गिरावट देखने को मिल रही है। सितंबर डिलिवरी वाली चांदी इस समय 127 रुपए की गिरावट के साथ 66871 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर ट्रेड कर रही थी। दिसंबर डिलिवरी वाली चांदी 129 रुपए की गिरावट के साथ 67725 रुपए के स्तर पर ट्रेड कर रही थी। वैश्विक बाजार में लगातार तीसरे दिन चांदी की कीमत पर दबाव है। यह -0.117 डॉलर की गिरावट के साथ 25.175 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर कारोबार कर रही थी।

शेयर बाजार में जमकर प्रॉफिट बुकिंग, बैंकिंग शेयर प्रभावित

मुंबई।

शेयर बाजार में मुनाफावसूली की वजह से शुक्रवार को सुबह के कारोबारी सत्र के दौरान शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। आरबीआई एमपीसी प्रस्ताव जारी होने के ठीक बाद भारत के बेंचमार्क सूचकांकों ने लाल रंग में कारोबार किया। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने वाणिज्यिक बैंकों के लिए रेपो दर, या अल्पकालिक उधार दर को 4 प्रतिशत पर बनाए रखने के लिए मतदान किया। व्यापक रूप से यह अपेक्षा की गई थी कि एमपीसी दरें और समायोजनात्मक रुख बनाए रखेगी। इसके अलावा, वैश्विक संकेत मिले-जुले रहे। घरेलू मोर्चे पर, दो सूचकांकों ने अपनी तीन दिनों की पॉजिटिव गति को तोड़ दिया और आरबीआई द्वारा नीतिगत रुख को समायोज्य बनाए रखने के बावजूद मुनाफावसूली देखी गई। नतीजतन, एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स सुबह 10.55 बजे अपने पिछले बंद से 151.68 अंक या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,341.16 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 अपने पिछले बंद से 38.20 अंक या 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,256.40 पर कारोबार कर रहा था। कैपिटलविया ग्लोबल रिसर्च के रिसर्च हेड गौरव गर्ग ने कहा, भारतीय बेंचमार्क 15300 के बाद एक छोटी निगेटिविटी के साथ व्यापार कर रहा है। हमने बाजार में निरंतर पॉजिटिविटी के बाद एक कमजोर मूवमेंट देखा है। आरबीआई की नीति का बाजार पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं है क्योंकि नीति निवेशकों की अपेक्षित तर्ज पर आई है कि रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होगा। बाजार में मुद्रास्फीति की चिंताओं के बावजूद विकास दर में कोई बदलाव नहीं हुआ है जो अर्थव्यवस्था की रिकवरी में निवेशकों के विश्वास को बढ़ावा दे सकता है। हमारे शोध से पता चला है कि बाजार को अल्पावधि में पॉजिटिव रहने के लिए 16,200 एक जरूरी समर्थन स्तर होगा।

बायजू ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म वेदांतु को 600-700 मिलियन डॉलर में अधिग्रहित करेगा

नई दिल्ली।

प्रमुख ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म बायजू 2021 में अपनी खरीदारी जारी रखते हुए लाइव ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म वेदांतु को करीब 600-700 करोड़ डॉलर में खरीदने के लिए बातचीत कर रहा है। विश्वसनीय सूत्रों ने शुक्रवार को आईएएनएस को बताया।इस साल बायजू रवींद्रन द्वारा संचालित कंपनी का यह चौथा बड़ा अधिग्रहण होगा। सूत्रों के मुताबिक, वेदांतु डील अभी एडवांस स्टेज में है और जरूरी रेगुलेटरी अप्रूवल मिलने के बाद जल्द ही इसे अमलीजामा पहनाया जाएगा। हालांकि, वेदांतु ने आईएएनएस को बताया कि बायजू के साथ ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है और हम ऐसा कुछ भी विचार नहीं कर रहे हैं। बढ़ते ऑनलाइन भारतीय एडटेक स्पेस में प्रमुख विकास पर बायजू ने अभी तक आधिकारिक रूप से टिप्पणी नहीं की थी। वेदांतु के-12 और परीक्षण तैयारी खंडों में व्यक्तिगत और समूह कक्षाएं देगा। प्लेटफॉर्म पर हर महीने 1.5 लाख से ज्यादा छात्र लाइव पढ़ाई करते हैं और 40 मिलियन से ज्यादा उपयोगकर्ता वेदांतु के प्लेटफॉर्म और इसके चैनलों पर मासिक रूप से मुफ्त कंटेंट, परीक्षण, संदेह, वीडियो का उपयोग करते हैं। दुनिया की अग्रणी एडटेक कंपनी बायजू ने अपने फ्लैगशिप लर्निंग ऐप पर 100 मिलियन पंजीकृत छात्रों के साथ पिछले महीने के अंत में 600 मिलियन डॉलर में सिंगापुर मुख्यालय ग्रेट लर्निंग का अधिग्रहण किया। साझेदारी ने 1 बिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता के साथ व्यावसायिक और उच्च शिक्षा खंड में बायजू के प्रवेश को चिह्नित किया। एडटेक कंपनी बायजू वर्तमान में भारत का सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न स्टार्टअप है, जिसका मूल्यांकन 17 अरब डॉलर से ज्यादा है। पिछले महीने बायजू ने 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए दुनिया का अग्रणी डिजिटल रीडिंग प्लेटफॉर्म एपिक का 50 करोड़ डॉलर में अधिग्रहण किया था। इस साल की शुरूआत में आकाश इंस्टीट्यूट को करीब 1 अरब डॉलर में खरीदने के बाद यह बड़ा अधिग्रहण हुआ है। बायजू ने पिछले साल अगस्त में मुंबई स्थित लाइव ऑनलाइन कोडिंग प्रदाता व्हाइटहैट जूनियर का 30 करोड़ डॉलर (करीब 2,246 करोड़ रुपये) के नकद सौदे में अधिग्रहण किया था। लाइव ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म वेदांतु ने पिछले महीने पेडागॉजी में एक रणनीतिक निवेश की घोषणा की, जो एक एआई-सक्षम शिक्षण स्टार्टअप है जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम और इंटरैक्टिव डिजिटल किताबें देता है।

मप्र में हथकरघा उद्योग को और समृद्ध करने की कोशिश

भोपाल।

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के सपने को साकार बनाने में हाथकरघा उद्योग एक मजबूत कड़ी है, यही वजह है कि इस क्षेत्र को और समृद्ध करने की कोशिशें जारी हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के मौके पर राज्य में शनिवार सात अगस्त को विविध आयोजन होने जा रहे हैं। आयुक्त हाथकरघा राजेश कौल ने बताया कि हाथकरघा संचालनालय एवं संत रविदास म.प्र.हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा प्रदेश के हाथकरघा क्लस्टर चंदेरी, महेश्वर, सारंगपुर, मंदसौर, वारासिवनी एवं सौसर में भी सातवें राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर विविध आयोजन किये जा रहे हैं। इस अवसर पर नवीन विकसित किये जा रहे हाथकरघा क्लस्टर डिण्डोरी जिले के पिंडरूखी एवं सरवाही के 50 बुनकर हितग्राहियों को हाथकरघा एवं सहायक उपकरण और पांच बुनकरों को ताना मशीन 90 प्रतिशत अनुदान पर प्रदान किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में महेश्वर और चंदेरी में बुनकरों के लिये कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। पारम्परिक हाथकरघा क्लस्टर चंदेरी में रियल-जरी वैवाहिक साड़ी के डिजाइन विकास तथा प्रदेश की स्थापत्य धरोहरों के डिजाइनों पर आधारित वस्त्रों के डिजाइन विकास करने के लिये 75-75 दिवस की कार्यशालाऐं प्रारंभ की जाएंगी। इनमें 40 बुनकर उद्यमी लाभान्वित होंगे। महेश्वर में रियल-जरी वैवाहिक साड़ी एवं स्थापत्य डिजाइन विकास की कार्यशालाओं में 30 उद्यमी को चुनकर लाभान्वित किया जाएगा। इसी प्रकार सॉसर में कॉटन वस्त्रध्स्टोल के नवीन डिजाइन में 20 बुनकर उद्यमियों द्वारा उत्पादन प्रारंभ किया जायेगा। इस वर्श कोविड महामारी का बुनकरों के कारोबार पर भी असर पड़ा है, यही कारण है कि बुनकरों के पास सामग्री एकत्रित हो गई है इसके विक्रय करने के लिये निगम द्वारा एक से 14 अगस्त 2021 तक भोपाल के गौहर महल में सावन उत्सव का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रदेश के बुनकरों एवं हस्त शिल्पियों को उनकी सामग्री के विक्रय का अवसर प्राप्त हो रहा है। राष्ट्रीय हाथकरघा विकास निगम द्वारा आयोजित वर्चुअल प्रदर्शनी में मृगनयनी एम्पोरियम के माध्यम से प्रदेश के बुनकरों द्वारा तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया जायेगा। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय हाथकरघा समारोह के दौरान चंदेरी, महेश्वर, सारंगपुर एवं मंदसौर के बुनकर जूम मीटिंग से सीधा संवाद करेंगे। इसके अलावा प्रदेश के हाथकरघा बुनकरों द्वारा तैयार वस्त्र सामग्री

को विक्रय करने का अवसर प्रदान कराने के लिये स्पेशल हैण्डलूम एक्सपो का आयोजन भी अगस्त माह के अंत में प्रस्तावित है।

अमेजॉन बनाम फ्यूचर रिटेल : सुप्रीम कोर्ट ने अमेजॉन के पक्ष में फैसला सुनाया

नई दिल्ली।

अमेजॉन के लिए एक बड़ी जीत में, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फ्यूचर रिटेल के साथ उसके विवाद में ई-कॉमर्स दिग्गज के पक्ष में फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने माना कि आपातकालीन मध्यस्थ अवार्ड(इमर्जेंसी आर्बिट्रेटर अवार्ड) भारतीय कानून में लागू करने योग्य है। न्यायमूर्ति आर.एफ नरीमन ने माना कि सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर (एसआईएसी) नियमों के तहत पारित इमर्जेंसी अवॉर्ड भारत में मध्यस्थता और सुलह अधिनियम के तहत लागू किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा, आपातकालीन मध्यस्थ अवार्ड का निर्णय मध्यस्थता और सुलह अधिनियम की धारा 17 (1) के तहत अच्छा है और इस तरह के अवार्ड के लिए एकल न्यायाधीश के आदेश की धारा 17 (2) के तहत अपील नहीं की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने 29 जुलाई को रिलायंस रिटेल के साथ फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के विलय के लिए 24,713 करोड़ रुपये के सौदे को चुनौती देने वाली ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। अमेजॉन डॉट कॉम एनवी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स एलएलसी और एफआरएल सौदे को लेकर एक कड़वी कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे। अमेजॉन ने तर्क दिया था कि सिंगापुर का आपातकालीन मध्यस्थ (ईए) अवार्ड वैध और लागू करने योग्य है। अमेजॉन ने दिल्ली उच्च न्यायालय के खंडपीठ के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसने रिलायंस-एफआरएल सौदे को हरी झंडी दे दी थी। एफआरएल का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने तर्क दिया था कि मध्यस्थता और सुलह पर भारतीय कानून के तहत ईए की कोई धारणा नहीं है और साथ ही, इस आशय का कोई मध्यस्थता समझौता नहीं है। साल्वे ने जोर दिया कि भारतीय कानून के तहत ईए के लिए कोई प्रावधान नहीं है। 8 फरवरी को, एक डिवीजन बेंच ने सौदे पर यथास्थिति बनाए रखने के लिए एफआरएल और विभिन्न वैधानिक प्राधिकरणों को एकल-न्यायाधीश के निर्देश का पालन करने से रोक लगा दी थी।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा बलिया

लखनऊ।

जंग-ए-आजादी की पहली लड़ाई (1857) और बाद के दिनों में भी स्वतंत्रता संग्राम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले मंगल पांडेय और चित्तू पांडेय की धरती बलिया भी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जुड़ेगी।

22 किमी की लंबाई वाली यह सड़क चार लेन की होगी। इसके निर्माण में करीब 1500 करोड़ रुपये की लागत आएगी। एलाइनमेंट का काम पूरा हो चुका है। डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने की प्रक्रिया जारी है। यह सड़क गाजीपुर के कासिमाबाद स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से शुरू होकर बलिया तक जाएगी। इसके बन जाने से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के जरिए बलिया के लोगों के लिए देश की राजधानी दिल्ली और प्रदेश की राजधानी लखनऊ जाने का समय आधा हो जाएगा। समय के साथ संसाधन भी बचेगा। इसी तरह काशी और अन्य प्रमुख शहरों को जाने में भी समय और संसाधन बचेगा। मुख्यमंत्री योगी आदत्यनाथ पहले ही कह चुके हैं कि सभी एक्सप्रेसवे के किनारे जरूरत के अनुसार ओद्योगिक गलियारे और जरूरत के अनुसार नई टाऊनशिप बसाई जाएगी। इस सबका लाभ भी बलिया को भी मिलेगा।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण(यूपीडा)के मीडिया प्रभारी दुर्गेश उपाध्याय कहते हैं, बलिया एक्सप्रेस वे निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। यह पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से निकल कर बलिया शहर तक जाएगी। एलाइनमेंट का काम पूरा हो चुका है। डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने की प्रक्रिया जारी है। गौरतलब हो कि यूपी देश का इकलौता राज्य है जहां एक साथ पांच एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। 340 किमी लंबा पूर्वांचल एक्सप्रेस वे मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसका लगभग 95 फीसद काम पूरा हो चुका है। इस माह मुख्य कैरेज मार्ग पूरी तरह कंप्लीट हो जाएगा। सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका लोकार्पण कर सकते हैं।

लगभग 3 सप्ताह से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ

नई दिल्ली।

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच प्रतीक्षा और घड़ी की नीति जारी रहने के कारण तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को लगातार 20 वें दिन ईंधन मूल्य संशोधन को रोकना जारी रखा। जुलाई में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल के निचले स्तर से शुरू होकर 77 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं, और फिर बाद में महीने में 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे 75 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं। बढ़ते कोविड मामलों, वैश्विक स्तर पर औद्योगिक सुधार को धीमा करने और अमेरिकी तेल सूची में वृद्धि की चिंताओं पर तेल की कीमतें फिर से केवल 70 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई हैं। तेल विपणन कंपनियों द्वारा कोई मूल्य वृद्धि नहीं किए जाने से राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल 101.84 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है, जबकि शुक्रवार को डीजल 89.87 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। ईंधन की पंप कीमत 18 जुलाई से स्थिर है। मुंबई शहर में, जहां पेट्रोल की कीमतें 29 मई को पहली बार 100 रुपये का आंकड़ा पार कर गईं, ईंधन की कीमत 107.83 रुपये प्रति लीटर है। वित्तीय राजधानी में डीजल की कीमत 97.45 रुपये है, जो महानगरों में सबसे ज्यादा है। सभी महानगरों में पेट्रोल की कीमतें अब 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गई हैं। चेन्नई में पेट्रोल 102.49 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में 101.08 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। डीजल भी दोनों शहरों में क्रमशः 94.39 रुपये और 93.02 रुपये प्रति लीटर है। चालू वित्त वर्ष में ईंधन की कीमतों में 41 दिनों की बढ़ोतरी के बाद कीमतों में ठहराव आया है। 41 की बढ़ोतरी ने दिल्ली में पेट्रोल की कीमतों में 11.44 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। इसी तरह, राष्ट्रीय राजधानी में डीजल में 9.14 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। दोनों ऑटो ईंधन की कीमतों में अप्रैल में केवल एक बार क्रमश- 16 और 14 पैसे प्रति लीटर की कमी आई है। दिल्ली में 12 जुलाई को डीजल की कीमतों में भी 16 पैसे प्रति लीटर की कमी की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फ्यूचर रिटेल ने कहा, कानून में कुछ उपाय बाकी हैं

नई दिल्ली।

फ्यूचर रिटेल ने शुक्रवार को कहा कि कानून में ऐसे उपाय उपलब्ध हैं, जिनका इस्तेमाल वह अमेजन के साथ मध्यस्थता अवार्ड में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद करेगी। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अन्य बातों के साथ-साथ यह कहते हुए अपना निर्णय पारित किया कि आपात निर्णायक का आदेश धारा 17 (1) के तहत आने वाला आदेश है और इसे मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम की धारा 17 (2) के तहत लागू करने योग्य है। इस तरह के निर्णय के खिलाफ अधिनियम की धारा 17(2) के तहत अपील नहीं की जा सकती है। फ्यूचर रिटेल ने कहा, निर्णय आपातकालीन मध्यस्थ के आदेश की प्रवर्तनीयता से संबंधित दो सीमित बिंदुओं को संबोधित करता है न कि विवादों के गुणों को। फैसले की पूरी कॉपी का इंतजार है। एफआरएल को सलाह दी जाती है कि उसके पास कानून में उपलब्ध उपाय हैं, जिनका वह प्रयोग करेगा। कंपनी ने कहा, आर्ब्रिटल ट्रिब्यूनल ने इन सवालों पर सुनवाई समाप्त कर दी है - (1) क्या आपातकालीन मध्यस्थ का अंतरिम अवार्ड जारी रहना चाहिए। (2) क्या एफआरएल मध्यस्थता की कार्यवाही में एक पक्ष है। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा, आर्ब्रिटल ट्रिब्यूनल के फैसले का इंतजार है। एफआरएल अपने हितधारकों और कार्यबल के हितों की रक्षा के लिए सौदे को समाप्त करने के लिए सभी उपलब्ध रास्ते तलाशने का इरादा रखता है। बता दें कि अमेजन-फ्यूचर-रिलायंस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। मामले में रिलायंस और फयूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) को झटका लगा है। रिलायंस व फ्यूचर रिटेल के 24,713 करोड़ रुपये के सौदे के मामले में अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की बड़ी जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सिंगापुर के इमरजेंसी आर्ब्रिटेटर का फैसला भारत में लागू करने योग्य है। यह भारतीय कानूनों के तहत वैध है। इमरजेंसी आर्ब्रिटेटर ने इस सौदे पर रोक लगाई थी। रिलायंस रिटेल के साथ फ्यूचर के सौदे पर रोक लग गई है। रिलायंस-फ्यूचर डील के खिलाफ अमेजन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला सुनाया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक युग का अंत, 17 साल बाद बार्सीलोना से अलग होंगे मेस्सी

मैड्रिड । स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने 17 साल बाद बार्सीलोना क्लब से अलग होने का फैसला किया है जिससे एक युग का अंत हो गया है। बार्सीलोना ने गुरूवार को कहा कि मेस्सी क्लब के साथ नहीं रहेंगे। क्लब ने कहा कि स्पेनिश लीग के वित्तीय नियमों के कारण अर्जेंटीना के स्टार के साथ नया अनुबंध करना असंभव हो गया है। मेस्सी ने बार्सीलोना के साथ सफलता की नयी ऊंचाइयों को छुआ है। उन्होंने कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिताब जीते। बार्सीलोना ने कहा कि नये करार पर बात हो चुकी थी लेकिन वित्तीय अड़चनों के कारण मेस्सी का क्लब के साथ बने रह पाना संभव नहीं है। क्लब ने कहा, 'क्लब और मेस्सी के बीच समझौता हो गया था लेकिन वित्तीय और ढांचागत दिक्कताों के कारण वह संभव नहीं हो सका।'' मेस्सी ने पिछ्ले सत्र के आखिर में ही क्लब छोड़ने की इच्छा जताई थी लेकिन तत्कालीन अध्सक्ष जोसेफ बार्तोमू ने उसे खारिज कर दिया था।

ओलंपिक (महिला हॉकी)

कांस्य पदक से चूका भारत, मिला चौथा स्थान

टोक्यो।

भारत की महिला हॉकी टीम को शुक्रवार को खेले गए कांस्य पदक के मुकाबले में ग्रेट ब्रिटेन के हाथों 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। साल 2016 के रियो ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाली ब्रिटिश टीम ने अपने आठवें ओलंपिक में तीसरी बार कांस्य पदक जीता है। तीसरी बार ओलंपिक खेल रहे भारत को चौथा स्थान मिला। ओई हॉकी स्टेडियम नार्थ पिच पर हुए इस मैच में कई बार उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अपना तीसरा ओलंपिक खेल रहा भारत एक समय 0-2 से पीछे चल रहा था लेकिन उसने दनादन तीन गोल दागकर हाफ टाण तक 3-2 की लीड ले ली। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड ने लगातार दो गोल दाग मैच अपने पक्ष में कर लिया। इंग्लैंड के लिए एलेना रेयर (16वें), सारा राबर्टसन (24वें), होली पिएरे (35वें) और ग्रेस बॉल्सडन (48वें) ने किया जबकि भारत के लिए गुरजीत कौर ने (25वें, 26वें) दो गोल किए जबकि वंदना कटारिया (29वें) ने एक गोल किया। ब्रिटेन को 12 पेनाल्टी कार्नर मिले, जिसमें से तीन को उसने गोल में बदला। भारत को कुल 8 पेनाल्टी कार्नर मिले, जिनमें से दो में गोल हुए।

पहला क्वार्टर खाली जाने के बाद ब्रिटेन ने दूसरे क्वार्टर में 60 सेकेंड के भीतर गोल करते हुए 1-0 की लीड ले ली। उसके लिए मैच का पहला गोल एलेना रेयर ने किया। यह एक फील्ड गोल था। इस गोल ने मानो ब्रिटिश टीम में जान फूंक दी और उसने 24वें मिनट में एक और गोल कर 2-0 की लीड ले ली। यह गोल सारा राबर्टसन ने किया। यह भी एक फील्ड गोल था।ब्रिटिश टीम हाफटाइम लीड के साथ प्रवेश करती, उससे पहले ही भारत ने एक के बाद एक दनादन तीन गोल कर 3-2 की लीड ले ली। गुरजीत कौर ने भारत का खाता 25वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर पर खोला और फिर उसके एक मिनट बाद एक और गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। भारत ने पेनाल्टी कार्नर पर गुरजीत द्वारा किए गए गोलों की मदद से शानदार वापसी कर ली थी। अब भारतीय टीम उत्साह से भर चुकी थी। उसने मौके बनाने शुरू किए और उसी क्रम में उसे 29वें मिनट में एक शानदार सफलता मिली। वंदना कटारिया ने फील्ड गोल के जरिए भारत को 3-2 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक भारत 3-2 से आगे था। हाफ टाइम की सीटी बजने के पांच मिनट बाद ही ब्रिटेन ने गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। यह गोल कप्तान होली पिएरे ने किया। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम कोई गोल नहीं कर सकी।चौथा और अंतिम क्वार्टर जब शुरू हुआ तो मैच का रोमांच चरण पर था। दोनों टीमों के पास मेडल पाने के लिए अंतिम 15 मिनट थे। इस क्रम में हालांकि ब्रिटेन को सफलता मिल गई। 48वें मिनट में उसने पेनाल्टी कार्नर पर गोल कर 4-3 की लीड ले ली। यह गोल ग्रेस बॉल्सडन ने किया।

ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहना छोटी बात नहीं, लेकिन पदक से चूकने का मलाल: कप्तान रानी

टोक्यो ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल को ओलंपिक खेलों में अपनी टीम के प्रयास पर फख्र है लेकिन वह ऐतिहासिक पदक चूक कर चौथे स्थान पर रहने से आहत हैं। अप्रत्याशित खेल के दम पर सेमीफाइनल तक पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम कांस्य पदक प्ले ऑफ मुकाबले में शुक्रवार को ब्रिटेन से 3-4 से हार गई। रानी ने इस मैच के बाद कहा, 'हम बहुत निराश महसूस कर रहे हैं क्योंकि हम (पदक के) इतने करीब थे। हम 2-0 से पिछड़ रहे थे और फिर हमने बराबरी की और हम 3-2 से बढ़त हासिल करने में भी सफल रहे। मुझे नहीं पता कि क्या कहना है, लेकिन हां बहुत दुख हो रहा है क्योंकि हम कांस्य पदक नहीं जीत सके।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'मुझे हालांकि लगता है कि सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, इसलिए मुझे टीम पर गर्व है। ओलंपिक खेलों में खेलना और शीर्ष चार में जगह बनाना आसान नहीं है। हमने लंबा सफर तय किया। मुझे लगता है कि अब हम काफी करीब थे, लेकिन कभी-कभी करीब होना भी अच्छा नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि अब भी टीम पर गर्व है। हमने पूरे टूर्नामेंट में इतनी मेहनत की और एक साथ एक टीम के रूप में खेले।' भारतीय टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की और मध्यांतर के समय 3-2 की बढ़त हासिल कर ली थी। ब्रिटेन की टीम ने हालांकि दूसरे हाफ में अपना सब कुछ झोंक दिया और दो गोल कर भारत के हाथों से जीत छीन ली। रानी ने उम्मीद जताई कि तोक्यो खेलों में उनका प्रदर्शन भारत में आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, 'मैं सभी देशवासियों का आभार प्रकट करना चाहती हूं क्योंकि उन्होंने हमारा बहुत समर्थन किया और उन्हें हम पर विश्वास था कि हम यहां कुछ हासिल कर सकते हैं। मुझे पता है कि भले ही हमने कांस्य पदक नहीं जीता, लेकिन वे हमारा समर्थन करेंगे क्योंकि हमने देश को प्रेरित किया है।' उन्होंने कहा, 'हमें देश से यहीं चाहिए, हमें उनका समर्थन चाहिए।'

भारत की 4×400 रिले टीम ने एशियाई रिकार्ड बनाया, पर फाइनल में जगह बनाने से चूकी

टोक्यो । भारत की 4×400 मीटर पुरुष रिले टीम ने शुक्रवार को यहां टोक्यो ओलंपिक में तीन मिनट 00.25 सेकेंड का समय निकालकर नया एशियाई रिकार्ड बनाया लेकिन फाइनल में जगह बनाने में असफल रही। मोहम्मद अनस याहिया, टॉम नोह निर्मल, राजीव अरोकिया और अमोल जैकब की भारतीय चौकड़ी दूसरी हीट में चौथे स्थान पर रही। भारतीय टीम कुल नौवें स्थान पर रही और इस तरह से 8 टीमों के फाइनल में जगह नहीं बना पाई। दोनों हीट में शीर्ष तीन स्थानों पर रहने वाली टीमें तथा इसके दो सर्वश्रेष्ठ समय निकालने वाली टीमें फाइनल में जगह बनाती हैं। इससे पहले का एशियाई रिकार्ड कतर के नाम पर था जिसने तीन मिनट 00.56 सेकेंड के साथ एशियाई खेल 2018 में स्वर्ण पदक जीता था।

ओलंपिक (कुश्ती) : बजरंग सेमीफाइनल में हारे, कांस्य के लिए लड़ेंगे

टोक्यो।

भारत के स्टार पहलवान बजरंग पुनिया को यहां चल रहे टोक्यो ओलंपिक में पुरुष फ्रीस्टाइल 65 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में अजरबैजान के हाजी अलियेव के हाथों 5-12 से हार का सामना करना पड़ा। बजरंग ने इस मुकाबले की शुरूआत बेहतर तरीके से की और एक अंक हासिल किया, लेकिन हाजी ने तुरंत वापसी कर चार अंक बटोरे। बजरंग पहले पीरियड में 1-4 से पिछड़ गए।दूसरे पीरियड में भी हाजी बजरंग पर पूरी तरह भारी पड़े और चार अंक हासिल किए। बजरंग ने हालांकि फिर दो अंक बटोरे और अंकों का फासला कम करने की कोशिश की। लेकिन हाजी ने फिर उन्हें चित्त कर एक अंक लिया। बजरंग ने इसके बाद दो अंक लिए और इस वक्त मुकाबला कठिन लगने लगा। हालांकि, हाजी ने फिर दो और अंक हासिल कर लिए। हाजी ने एक और अंक लेकर मुकाबला एकतरफा बनाकर जीत दर्ज की। दूसरे पीरियड में हाजी ने 8-4 की बढ़त बनाई। हाजी 2016 के रियो ओलंपिक खेलों में 57 किग्रा वर्ग का कांस्य जीत चुके हैं और इस बार उन्होंने कम से कम अपने लिए रजत पदक पक्का कर लिया है। बजरंग भारत की टोक्यो ओलंपिक में सबसे बड़ी पदक उम्मीद में से एक थे लेकिन उनसे स्वर्ण पदक लाने का सपना टूट गया। हालांकि उनके पास अभी भी कांस्य पदक लाने का अवसर है। बजरंग और हाजी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं मिले हैं, लेकिन दोनों के बीच एकमात्र मुलाकात 2019 प्रो रेसलिंग लीग में हुई थी। पुनिया ने हाजी को 8-6 से हराकर अपनी टीम पंजाब रॉयल्स को एमपी योद्धा के खिलाफ जीत दिलाई थी। इससे पहले, क्वार्टर फाइनल मैच में बजरंग ने ईरान के मुतर्जा घियासी चेका को 2-1 से हराया। टोक्यो में भारत के लिए पदक के दावेदार बजरंग को विक्ट्री बाई फॉल के आधार पर जीत मिली। पहले पीरियड की समाप्ति के बाद एशियाई खेल चैम्पियन बजरंग 0-1 से पीछे थे लेकिन दूसरे क्वार्टर में 2 अंक लेकर वह 2-1 से आगे हो गए। अंतिम एक मिनट में बजरंग ने अपना दांव खेला और

ईरानी पहलवान को चित्त कर दिया। बजरंग आज सुबह एक मुश्किल जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। इस मुकाबले में बजरंग का सामना किर्गिस्तान के इरनाजार अकमातालेव से था। अंतिम स्कोर 3-3 रहा लेकिन चूंकी वह पहले पीरियड में अधिक अंक जुटाने में सफल रहे, लिहाजा विजेता करार दिए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

हॉकी खिलाड़ी नीलकांत के लिए मणिपुर के मुख्यमंत्री ने पुरस्कार की घोषणा की

इम्फाल । मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य शांगलाकपम नीलकांत शर्मा को 75 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को नीलकांत से फोन पर बात भी की और उन्हें राज्य में उचित सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया। उन्होंने भारतीय हॉकी टीम के सभी खिलाड़ियों को भी बधाई दी। उन्होंने नीलकांत को बताया कि उन्हें पहले की घोषणा के अनुसार 75 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले मणिपुर के खिलाड़ी के लिए 1.2 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को एक करोड़ रुपए जबकि कांस्य पदक विजेता के लिए 75 लाख रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की थी। नीलकांत मणिपुर के पूर्वी इम्फाल जिले के कोंथा अहालुप माखा लेईकाई क्षेत्र के निवासी हैं।

दीपक पुनिया की हार के बाद कोच मोराड ने मैंच रैफरी से की मारपीट

आईओसी ने उनकी मान्यता रदद कर खेल गांव से निकाला

नई दिल्ली । भारतीय पहलवान दीपक पूनिया टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने से चूकने पर उनके विदेशी कोच मोराड गेड्रोव को लेकर भी खबर आई है। खबर हैं कि कोच मोराड ने मैच के बाद उन्हें टोक्यो ओलंपिक से बाहर कर दिया गया है। मोराड पर दीपक के मैच के बाद रेफरी पर हमला करने का आरोप लगा है। मोराड गेड्रोव रूस के रहने वाले हैं और दीपक के साथ बतौर कोच टोक्यो ओलंपिक में मौजूद थे। बताया जाता हैं कि मैच के बाद गेड्रोव रेफरी के कमरे में जाकर उनपर हमला कर दिया। विश्व कुश्ती निकाय ने तुरंत आईओसी को मामले की सूचना देकर अनुशासनात्मक सुनवाई के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ को भी बुलाया गया। हालांकि महासंघ ने माफी मांगी और उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। फिला ने पूछा कि भारतीय महासंघ ने गेड्रोव पर क्या कार्रवाई की,तब महासंघ ने जानकारी दी कि उन्हें टर्मिनेट कर दिया गया है। गेड्रोव खुद एक पहलवानरहे हैं, और बीजिंग ओलंपिक- 2008 में 74 किग्रा भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। उन्होंने 2004 के एथेंस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हार के बाद अपने प्रतिद्वंद्वी पर हमला कर दिया था। अब आईओसी ने उनकी मान्यता भी रद्द कर टोक्यो में भारतीय दल को लिखा है कि उन्हें तुरंत खेल गांव छोड़ने के लिए कह दिया जाए। दीपक अच्छे ड्रॉ का फायदा उठाकर सेमीफाइनल तक पहुंचे, लेकिन अमेरिका के डेविड मौरिस टेलर से सेमीफाइनल में हार गए। उन्होंने इसके पहले नाइजीरिया के एकेरेकेमे एगियोमोर को तकनीकी श्रेष्ठता से और फिर क्वार्टरफाइनल में चीन के जुशेन लिन को 6-3 से हराया था। दीपक अपने पहले ही ओलंपिक खेलों में हिस्सा ले रहे थे और कांस्य पदक जीतने के करीब पहुंचे लेकिन 86 किग्रा के प्ले-ऑफ में सैन मरिनो के माइलेस नज्म अमीन के अंतिम 10 सेकंड में पटखनी देने से उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

कोच शोर्ड मारिन बोले- हमने पदक नहीं जीता लेकिन और बड़ा कुछ जीत लिया

टोक्यो ।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन को अपनी टीम पर गर्व है और ओलिम्पिक कांस्य पदक मुकाबले में पराजय के बावजूद उन्होंने अपने खिलाडियों से को आंसू रोकने के लिए नहीं कहा लेकिन उनका कहना है कि अपने दिलेर प्रदर्शन से पूरे देश को प्रेरित करने वाली टीम को खुश होना चाहिए। भारतीय टीम टोक्यो ओलिम्पिक में कांस्य पदक के मुकाबले में ब्रिटेन से 3-4 से हार गई। ओलिम्पिक में यह अब तक का भारतीय महिला हॉकी टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जो पहली बार सेमीफाइनल में पहुंची। मारिन ने कहा- हारने पर दुख होता है लेकिन मैं फख्र महसूस कर रहा हूं। मुझे इन लड़कियों पर गर्व है जिन्होंने एक बार फिर अपना कौशल और जुझारूपन दिखाया। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे कहा कि मैं तुम्हारे आंसू तो नहीं पोछ सकता। तुम्हें कोई शब्द सांत्वना नहीं दे सकता। तुमने पदक नहीं जीता लेकिन उससे बड़ा कुछ जीता है। अपने देश को प्रेरित किया है और गौरवान्वित किया है। मारिन ने कहा कि दुनिया ने एक अलग ही भारतीय टीम देखी और मुझे उस पर गर्व है। उन्होंने टीम के जुझारूपन की तारीफ करते हुए कहा कि आम तौर पर भारतीय

टीम दो गोल से पिछड़ने के बाद 3-0 या 4-0 से हार जाती रही है लेकिन अब नहीं। हमने पिछड़ने के बाद वापसी की और बढ़त भी बना ली थी। उन्होंने हार नहीं मानी। कोच ने उम्मीद जताई कि खेलों से खाली हाथ लौटने के बावजूद अपने शानदार प्रदर्शन के कारण देश पलक पावड़े बिछाकर इन खिलाड़ियों का स्वागत करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार साल भारत में बिताना मेरा सौभाग्य रहा है। मैं लोगों के प्यार से अभिभूत हूं। उम्मीद है कि भारत गर्मजोशी से इन लड़कियों का स्वागत करेगा।

इंग्लैंड में खेलने के लिए तकनीक बदली : रोहित

नॉटिंघम । टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि उन्होंने इंग्लैंड के हालातों में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपनी बल्लेबाजी तकनीक में कुछ बदलाव किए हैं, जिसमें गेंद को शरीर के करीब से खेलना और क्रीज का बेहतर इस्तेमाल शामिल है। रोहित ने कहा कि आपको जगह के अनुसार बदलाव करने होते हैं। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा कि जब गेंद स्विंग होती है तो आपके खेल के बहुत सारे तकनीकी पहलू होते हैं जिसका आपको एक सलामी बल्लेबाज के रूप में इस्तेमाल करने की जरूरत होती है। उन्होंने माना कि इन हालातों में खेलना कभी आसान नहीं होता पर एक बल्लेबाज के रूप में आपको इसके लिए तैयार रहने की जरुरत है। मैं भी यही करने की कोशिश कर रहा हूं। मैंने अपनी तकनीक में भी कुछ बदलाव किये हैं। मैं क्रीज में ज्यादा हिलने-डुलने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, बल्ले को शरीर के करीब रखते हुए जितना हो सके स्थिर रहने की कोशिश कर रहा हूं। रोहित बल्लेबाजी के दौरान पुल शॉट खेलने के कारण 36 रन पर आउट हुए हैं। इसके बाद भी उन्होंने इस शॉट का बचाव करते हुए कहा कि अगर गेंद उनकी पहुंच में रही तो वह शॉट खेलेंगे। पहली पारी में लोकेश राहुल के साथ पहले पहले विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी करने के बाद रोहित ओली रॉबिन्सन की शार्ट पिच गेंद पर पुल शॉट खेलकर ही पेवेलियन लौटे। उन्होंने कहा कि जैसे आपने कहा कि यह मेरा पसंदीदा शॉट है, इसलिए मुझे शॉट खेलना है, हमें खेल के पहले घंटे में कोई खराब गेंद नहीं मिली और उनके गेंदबाज काफी अनुशासित थे। खराब रोशनी और बारिश के कारण दूसरे दिन केवल 33.4 ओवर का खेल ही हो पाया जिसमें भारत ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 125 रन बनाए।

सिटी ओपन : 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल 50वीं रैंकिंग वाले लॉयड से हारे

वाशिंगटन ।

20 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन रफेल नडाल पहली बार सिटी ओपन टेनिस में खेलते हुए दूसरे दौर में 50वीं रैंकिंग वाले दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस से हार गए। हैरिस ने उन्हें 6.4, 1.6, 6.4 से हराया। नडाल ने पहले मैच में 192वीं रैंकिंग वाले जैक सॉक को हराया था। वहीं जानिक सिनेर ने सेबेस्टियन कोरडा को 7.6, 7.6 से मात दी। अमरीका के जेंसन ब्रूकस्बी ने कनाडा के फेलिक्स आगर एलियास्मे को 6.3 , 6.4 से हराया।

कोरोना वायरस के कारण मेरा खेल प्रभावित हुआ- अदिति अशोक

टोक्यो ।

टोक्यो ओलंपिक में पदक की दौड़ में शामिल भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने शुक्रवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा कि कोरोना वायरस के चपेट में आने के बाद उनकी ताकत कम हुई है जिससे उनका खेल भी प्रभावित हुआ है। अदिति ने तीसरे दौर में पांच बर्डी और दो बोगी बनाई जिससे उनका कुल स्कोर 12 अंडर का हो गया और वह तालिका में दूसरे स्थान पर है। अमेरिका की नैली कोर्डा उनसे तीन स्ट्रोक्स आगे है जिन्होंने इस दौर में दो अंडर 69 स्कोर किया। अदिति के पास ओलंपिक गोल्फ में देश के लिए पहला पदक जीतने का मौका है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का अंदाजा है कि देश को उनसे पदक की उम्मीद है लेकिन वह इस दबाव को फिलहाल नहीं लेना चाहती है। उन्होंने बताया कि वह मई-जून में जब भारत आई थी तो कोविड-19 के चपेट में आ गई थी। उन्होंने कहा कि मैं वीजा संबंधी काम के लिए भारत आई थी लेकिन वहां कोविड-19 के चपेट में आ गई। इस कारण मैं दो सप्ताह से अधिक समय के लिए वही रही। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कोविड-19 के कारण मेरी ताकत कम हुई है। लंबी दूरी के होल में मेरा शॉट काफी पीछे रह जा रहा है। पहले भी होल से दूर रहता था लेकिन इतना दूर कभी नहीं था। जो होल अधिक दूर है वहां खेल में निरंतरता बरकरार नहीं रख पा रही हूं। पहले दौर की तुलना में इस (तीसरे) दौर में मेरी 'पुटिंग' (करीब से गेंद को होल में डालना) अच्छी नहीं थी। ओलंपिक कार्यक्रम में 2016 में गोल्फ की वापसी के बाद, किसी भी भारतीय (पुरुष या महिला) ने पदक नहीं जीता है और अदिति को इस खिताब का मतलब अच्छे से पता है। भारत की उम्मीदों के दबाव के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से (वह दबाव महसूस करती हैं) लेकिन मैं इसके बारे में इतना नहीं सोच रही हूं। मुझे लगता है कि मैं इस सप्ताह कैसा भी करूं, लोगों ने गोल्फ के बारे में सुना है। इससे खेल लोकप्रिय हुआ है। टोक्यो में कल और परसों खराब मौसम की

आशंका है ऐसे में चौथे दिन के खेल को जल्दी शुरु किया जाएगा। अगर रविवार तक चौथे दौर (72 होल) का खेल पूरा नहीं हुआ तो तीसरे दौर (54 होल) के नतीजे पर विजेता का चयन होगा।

6 विवि और 5 चिकित्सा महाविद्यालयों का चयन खेल विज्ञान विभागों की स्थापना के लिए किया: खेलमंत्री अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) की योजना का उद्देश्य उत्कृष्ट एथलीटों के श्रेष्ठ प्रदर्शन के संबंध में उच्चस्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार को समर्थन प्रदान करना है। इस योजना के 2 घटक हैं- **(i)** एनसीएसएसआर केंद्र की स्थापना करना और **(ii)** चयनित विश्वविद्यालयों/संस्थानों और चिकित्सा महाविद्यालयों में खेल विज्ञान विभागों और खेल चिकित्सा विभागों की स्थापना के लिए सहायता (वित्तपोषण) प्रदान करना। इस योजना के उद्देश्यों को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और पूरे देश के चुनिंदा विश्वविद्यालयों/संस्थानों/चिकित्सा महाविद्यालयों के माध्यम से लागू किया है और योजना की शुरुआत से लेकर अब तक 62.61 करोड़ रुपये की कुल राशि जारी की जा चुकी है। धनराशि को राज्यवार रूप से स्वीकृत/जारी नहीं किया जाता है। इसके अलावा, योजना के वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समय-समय पर योजना की समीक्षा भी की जाती है। वर्तमान समय में पूरे देश में एनसीएसएसआर योजना के अंतर्गत छह विश्वविद्यालयों/संस्थानों और पांच चिकित्सा महाविद्यालयों का चयन खेल विज्ञान विभागों और खेल चिकित्सा विभागों की स्थापना के लिए किया गया है जिनका चयन विभिन्न मानदंड़ों के आधार पर किया गया है जैसे कि आधिकारिक मान्यता, स्थायी संकाय, प्रकाशन/पेटेंट, फंड की आवश्यकता, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ-साथ उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव एवं प्रस्तुति आदि।

परिचय

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 तक देश के किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। खाद्य के मूल्यों में अत्यधिक उतार - चढ़ाव, मौसमी और कम समय के लिए मूल्य वृद्धि और अनियमित मानसून को देखते हुए कृषि क्षेत्र में शामिल सभी हितधारकों के लिए एह एक कठिन चुनौती है। इसके बावजूद किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को अवश्य हासिल किया जा सकता है। खेत उत्पादकता में सुधार लाने, खेती की लागत को कम करने, अखिल भारतीय स्तर पर बाजार पहुँच को सुनिश्चित करने आदि की दिशा में सामूहिक प्रयास से इस लक्ष्य की प्राप्ति में काफी आसानी हो सकती है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। की इस लक्ष्य को हासिल करने में कंदीय फसलों की मुख्य भूमिका होगी।

कंदीय फसलों से भरपूर आमदनी

बागवानी से भरपूर आय

बागवानी क्षेत्रों में किसानों की आय को बढ़ाने की भरपूर क्षमता है। इसलिए पारंपरिक अनाजीय फसलों से उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर बदलाव करने से से भारत में किसानों की आय को दोगुनी करने की दिशा में व्यापक पैमाने पर योगदान किया जा सकेगा। बागवानी फसलों में भी विशेषत-कंदीय फसलें इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनमें अभूतपूर्व उच्च प्रति इकाई उत्पादकता पाई जाती है। हालाँकि एक सम्यक रीति में किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्पादन क्लस्टरों को इनपुट के साथ - साथ उपभोक्ता बाजारों से अच्छी तरह से जोड़ने की जरूरत है यह संदेह से परे है कि कृषि इनपुट और उत्पादन से जुड़े सूक्ष्म - लघु - छोटे तथा माध्यम स्तरीय उद्यमों की स्थापना से ग्रामीण भारत की आजीविका सुरक्षा में प्रभावी तरीके से सुधार किया जा सकता है। कंदीय फसलें ग्राम स्तर पर ही ऐसे उद्यमों को स्थापित करने के भरपूर अवसर प्रदान करती हैं। कंदीय फसल अनुसंधान पर कहीं अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जिसमें शामिल है- गैर- पारंपरिक क्षेत्रों में इनकी खेती का विस्तार करना, कंदीय फसलों की पोषणिक एवं खाद्य सुरक्षा भूमिका का पूर्वानुमान करना, मूल्यवर्धित खाद्य, आहार एवं औद्योगिक उत्पादों का विकास करके उपयोगिता संभावनाओं को बढ़ाना, अमंग आकलन रण नीतियाँ विकसित करना, नये बाजार विकल्पों की तलाश करना, औषधीय प्रभावों वाले हर्बल उत्पादों, जैव कीटनाशकों, प्राकृतिक खाद्य रंगों का विकास करना जैसे अल्प दोहित क्षेत्रों की खोज करना आदि। प्रौद्योगिकीय प्रगति का प्रभावी तरीके सेड प्रदर्शन और प्रसार करने. उत्पादकता में और सुधार करने और ग्रामीण जनसंख्या तक लाभ पहुँचाने के लिए इन फसलों की उपयोगिता संभावनाओं का खुलासा करने में काफी मदद मिल सकती है।

कंदीय फसलों में मूल्यवर्धन

उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में न केवल खाद्य फसलों के रूप में महत्ता हासिल की है वरन इनकी आहार और कृषि आधारित उद्योगों में भी व्यापक संभावनाएं हैं। खाने - पीने की आदतों में तेजी से हो रह बदलाव और प्रति व्यक्ति आमदनी में अनुमानित बढ़ोतरी के साथ शहरी क्षेत्रों की ओर बढ़ते देशांतर से अगले 30 - 40 वर्षों में प्रसंस्करित और रेडी टू ईट (खाने के लिए तुरंत तैयार) सुविधाजनक खाद्य में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। उस परिदृश्य में कंदीय फसलों से रोग - निरोधी और चिकित्सीय कार्यशील खाद्य विकसित करने की व्यापक संभावना विद्यमान है।

आलू, कसावा, शकरकंद, जिमीकंद, कचालू, टेनिया, याम (रतालू), याम बीन, अरारोट आदि जैसी कंदीय फसलें स्टार्चयुक्त भंडारण अवयव के रूप में संशोधित जड़ अथवा तने के साथ पौधों का एक समूह बनाती हैं। इनमें कहीं अधिक जड़ें, घनकंद, राइजोम्स होते है और इनके कंदों की खुदाई आमतौर पर जमीन से नीचे की जाती है। ये फसलें अनाज एवं दाना फसली के उपरांत तीसरी सर्वाधिक महत्वपूर्ण खाद्य फसलें हैं और प्रति इकाई समय में प्रति इकाई क्षेत्रफल में उच्च शुष्क सामग्री उत्पादन के साथ खाद्य उत्पादक रूप में अपनी जैविक प्रभावशीलता के आधार पर ये फसलें अनूठी हैं। ऊर्जा उत्पादन में आलू सबसे आगे (216 मेगाजूल/हे./दिन) एवं इसके बाद क्रमशः रतालू (181 मेगाजूल/हे./दिन), शकरकंद (152 मेगाजूल/हे./दिन), तथा कसावा (121 मेगाजूल/हे./दिन) का स्थान है। कंदीय फसलें विश्व की 1/5 आबादी के लिए मुख्य अथवा सहायक खाद्य के तौर पर उष्णकटिबंधीय तथा अर्द्ध उष्णकटिबंधीय देशों में लाखों लोगों की

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

उपयोगी प्रौद्योगिकियां

ऐसे किसान जो आलू और अन्य कंदीय फसलों की खेती करते हैं, वे उपयुक्त फसल किस्म, आधुनिक उत्पादन एवं संरक्षण तकनीकें अथवा बचाव प्रौद्योगिकियों को अपनाकर अपनी फार्म आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम जैसे शोध संस्थानों द्वारा आलू और अन्य कंदीय फसलों की अधिक पैदवार देने वाली अनेक किस्में और प्रौद्योगिकियां विकसित की गई है। कुछ प्रौद्योगिकियां राज्य कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा भी विकसित की गई हैं और वे किसानों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इन प्रौद्योगिकियों की पहुँच अभी बहुत सीमित हैं। इन्हें किसान समुदाय के बीच लोकप्रिय बनाये जाने की जरूरत है ताकि कंदीय फसलों में वर्तमान पैदावार अंतराल को कम किया जा सके। आलू और अन्य कंदीय फसलों की उत्पदकता को बढ़ाने के लिए यहाँ प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों पर जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री

अधिकांश कंदीय फसलों को तने के टूकड़ों अथवा कंद का उपयोग करके शाकीय रूप से प्रवर्धित किया जाता है। इसलिए बीज की गुणवत्ता को बनाये रखना विशेषकर इसे वायरस तथा अन्य रोगजनकों से मुक्त रखना बहुत आवश्यक होता है। भारत में आलू उत्पादकों के समक्ष गुणवत्ता आलू बीज की उपलब्धता अभी भी एक प्रमुख समस्या है। इसीलिए यह जरूरी है कि किसानों को सस्ते दामों पर अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की आपूर्ति की जाये। किसान स्वयं भी भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा विकसित की गई बीज प्लाट तकनीक का उपयोग आलू बीज उगा सकते हैं। यह प्रौद्योगिकी पिछले 50 वर्षों से भारत में आलू के उत्पादन और उत्पादकता क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़ोतरी में मुख्य भोमिका निभा रही है। वायरस की पहचान करने वाली उन्नत तकनीकों, पौध बचाव उपायों और सस्यविज्ञान रीतियों के साथ बीज प्लाट तकनीक का एकीकरण करने से भारत में प्रजनक बीज उत्पादन कार्यक्रम की मजबूत बुनियाद रखने को बढ़ावा मिला है। हाल ही में हाइटेक बीज उत्पादन प्रौद्योगिकियां जैसे कि ऊतक संवर्धन से तैयार लघु कंद के साथ - साथ ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी द्वारा तैयार लघु कंद का विकास किया गया हैझ इन्हें गुणवत्तायुक्त आलू बीज के उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के अंतर्गत, आलू पौधों को एक बंद अथवा संरक्षित वातावरण में उगाया जाता है और मृदा अथवा किसी अन्य समुच्य मीडियम का उपयोग किये बिना पोषण से भरपूर घोल का साथ समय - समय पर जड़ों पर छिड़काव किया जाता है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री का तेजी से गुणन होता है, जिसमें प्रति ऊतक संवर्धन पादप 35 - 60 लघुकंद उत्पन्न होते हैं। इसमें अनेक मृदा जनित रोगजनकों के आलू कंदों के साथ सम्पर्क में कमी आती है। इसके अलावा इसे ऑपरेट करना भी आसान होता है। इस प्रणाली को गौरवायविय तथा पानी की कमी वाले इलाकों में स्थापित किया जा सकता है। यह प्रौद्योगिकी अत्यधिक लागत प्रभावी है, जिसमें 10 लाख कंदों के उत्पादन के लिए 100 लाख रूपये का निवेश करने की जरूरत होती है और कोई भी उद्यमी इससे प्रति वर्ष 52 लाख रूपये तक कमा सकता है। अत- ऊतक संवर्धन और ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत में पारंपरिक बीज उत्पादन प्रणाली में क्रन्तिकारी बदलाव लाने की क्षमता है। भाकृअनुप - केंद्रीय कंदीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम द्वारा मानकीकृत मिनी सेट प्रौद्योगिकी को अपना कर उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में भी वायरसमुक्त गुणवत्ता रोपण सामग्री को विकसित किया जा सकता है।

अनाज फसलों की तुलना में कंदीय फसलों से अधिक लाभ

चावल, गेंहू और मक्का जैसे पारंपरिक अनाज फसलों की तुलना में फल व सब्जियों जैसे बागवानी फसलें कहीं अधिक लाभ प्रदान करती हैं। उच्च मूल्य वाली फसलों और उद्यमों की दिशा में कृषि गतिविधियों का विविधीकरण करना किसानों की आय को बढ़ाने में एक प्रमुख चालक बन सकता है। भारत के तीन मुख्य राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के लिए चावल व गेहूं जैसे अनाज फसलों और प्रमुख कंदीय फसल आलू में खेत की लागत और शुद्ध आय के तुलनात्मक अध्ययन को सरणी - 1 में दर्शाया गया है। यह देखा जा सकता है कि सभी चयनित राज्यों के लिए आलू की खेती की लागत चावल और गेहूं से कहीं ज्यादा है, जो कि पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा रूपये 1,08,860,30 प्रति हे. है। उत्तर प्रदेश में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय चावल और के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा है। पश्चिम बंगाल में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय रूपये 36,519,70 है, जो कि चावल तथा गेहूं की तुलना में लगभग तीन गुना है। बिहार में गेहूं (प्रति हे. रूपये 26,835,70) के मुकाबले आलू (प्रति हे. रूपये 32,787,00) में कहीं अधिक लाभ मिला। बिहार में किसानों के लिए धान की खेती आलू की ही तरह लाभप्रद नहीं है, क्योंकि इससे उन्हें प्रति हे. केवल रूपये 6,277,70 का कम लाभ ही मिल रहा है। अत-यह देखा जा सकता है कि पारंपरिक अनाज फसलों के मुकाबले आलू जैसी कंदीय फसल की खेती करके किसान कहीं अधिक लाभ कमा सकते हैं।

उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियां

भारत में कृषि केवल लाभ अर्जित करने वाला व्यवसाय नहीं है बल्कि यह 138 मिलियन से भी अधिक कृषिजोत पर काम करने वाले परिवारों के लिए परंपरा का हिस्सा है इनमें से 85 प्रतिशत परिवारों के पास 2 हे. से भी कम आकार वाली कृषिजोत हैं। इनमें से अधिकांश कृषिजोत का उपयोग बहु कृषि गतिविधियों यथा कृषि/बागवानी, पोल्ट्री एवं पशु पालन, मत्स्यिकी, मधुमक्खी पालन रेशमा पालन तथा वानिकी में किया जाता है। इन छोटी तथा सीमांत कृषिजोत में फसलचक्र सघनता बहुत अधिक होती है। यहाँ तक कि प्राय-यह 300 प्रतिशत तक भी पहुँच जाती है।

फायदे का सौदा आलू

भारतीय समाज में आलू सर्वाधिक प्रचलित सब्जी है। देश में सब्जियों के तहत कूल कृषि में यह 21 प्रतिशत क्षेत्र में बोई जाती है और कुल सब्जी उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 25.50 प्रतिशत है। चीन के बाद भारत आलू का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और पंजाब राज्यों को शामिल करते हुए भारत के गंगा के मैदानी इलाकों में देश के कुल आलू उत्पादन का 85 प्रतिशत से भी अधिक उत्पादन होता है। वर्ष 2014 - 15 में भारत में 23.1 टन/हे. की औसत उत्पादन हुआ। लगातर बढ़ रही जनसंख्या के साथ भविष्य में भारत में आलू की खपत कई गुना बढ़ने का अनुमान है।

जल बचत

आलू सहित किसी भी फसल की खेती के लिए सिंचाई जल इ=की म=कमी प्रमुख समस्या है। आधुनिक आलू किस्में जल की कमी वाली मृदाओं के प्रति संवेदनशील होती है और उनमें बार - बार उथली सिंचाई करने की जरूरत होती है। आमतौर पर पानी की कमी फसल की बढ़वार अवधि के मध्य से पिछेती भाग में भूस्तारी अथव स्टोलन गठन और कंद की शुरूआत तथा बल्किंग के दौरान होती है। इससे पैदावार में कमी होने की आशंका रहती है। अगेती फसलें शाकीय वृद्धि के दौरान कम संवेदनशील होती हैं। फसल पकने वाले अवधि की ओर उच्चतर रिक्तिकरण को अपनाकर भी जल की बचत की जा सकती है ताकि फसल द्वारा अपने जड़ क्षेत्र में भंडारित उपलब्ध पूरे जल का उपयोग किया जा सके। इस क्रियाविधि अथवा रीति से परिपक्वता को भी जल्दी किया जा सकता है और शुष्क पदार्थ सामग्री को बढ़ाया जा सकता है। कुछ किस्में कंद बल्किंग के अगेती भाग में सिंचाई के प्रति कहीं बेहतर प्रतिक्रिया देती हैं, जबकि अन्य बाद वाले हिस्से में कहीं बेहतर प्रतिक्रिया को दर्शाती हैं। कम कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनके कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनेक कंदों वाली किस्मों की तुलना में जल की कमी के प्रति कम संवेदनशील होती हैं। सिंचाई के लिए सही समय का चयन करके और पौधा वृद्धि चक्र की विशिष्ट अवस्था में जल प्रयोग की उपयुक्त गहराई का प्रयोग करके आलू की फसल में जल की जरूरत को किफायती बनाया जा सकता है। अब जलमग्न अथवा बाढ़ जैसे सिंचाई की तुलना में ड्रिप एवं स्प्रिकलर विधियों के माध्यम से सटीक रूप से सिंचाई करने के लिए प्रौद्योगिकियां मौजूद हैं, जो न केवल पानी की बचत करती हैं वरन साथ ही उत्पादकता को भी बढाती हैं।

उन्नत फसलोत्तर प्रबंधन

खुदाई अथवा तुड़ाई करने के उपरांत, छिलकों के उपचार हेतु कंदों को 10 - 15 दिनों तक ढेर में रखा जाना चाहिए। यह जरूरी है की सभी क्षतिग्रस्त और सड़े हुए कंदों को हटा दिया अच्छा लाभ कमाने के लिए उत्पाद अर्थात कंदों की छटाई की जाये और उन्हें ग्रेडिंग के अनुसार जूट के थैलों में पैक किया जाए। किसान अधिक लाभ कम सकते है यदि अपने आलू को शीत भंडार में भंडारित किया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए भंडारित किये गये आलू स्वाद में मीठे नहीं होंगे और इस प्रकार इनसे कहीं अधिक मूला हासिल किये जा सकता है। यह ध्यान दिया जाये कि बीज आलू को केवल 0 - 20 सेल्सियस तापमान पर ही भंडारित किया जाये। चिप्स, फ्रेंच फ्रेंचाइज, लच्छा आदि जैसे निर्जलीकृत आलू उत्पादों को तैयार करके आलू में मूल्यवर्धन करने से भी किसानों को आकर्षक लाभ मिल सकता है। भाकृअनुप - केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में घरेलू स्तर पर मूल्य वर्धन करने की प्रौद्योगिकियां उपलब्ध हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अफगानिस्तान में लौटा कट्टरता का दौर, तालिबानियों ने की सूचना मीडिया केंद्र के निदेशक की हत्या

काबुल, अफगानिस्तान। अफगान गृह मंत्रालय के अनुसार अफगानिस्तान के सरकारी सूचना मीडिया केंद्र के निदेशक की बंदूकधारियों ने गोली मार कर हत्या की कर दी है। तालिबान ने अफगानिस्तान के सरकारी सूचना मीडिया केंद्र के निदेशक की हत्या की जिम्मेदारी ली। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि समूहों के लड़ाकों ने दावा खान मेनपाल को मार डाला था, जो स्थानीय और विदेशी मीडिया के लिए सरकार के प्रेस अभियान चलाते थे। मुजाहिद ने बाद में जारी एक बयान में कहा कि मेनपाल 'मुजाहिदीन के एक विशेष हमले में मारा गया था' और उसे 'उसके कामों की सजा दी गई थी। मुजाहिद ने और अधिक जानकारी नहीं दी। इसे भी पढ़ें- विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के तहत लगभग 12,500 लड़कियों को मिल रहा है लाभ- सरकार पत्रकारों के लिए अफगानिस्तान दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है। नागरिकों के खिलाफ हाल के कई हमलों का दावा इस्लामिक स्टेट द्वारा किया गया है, हालांकि इन हमलो के लिए सरकार अक्सर तालिबान को जिम्मेदार ठहराती है।

आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह ने इजरायली ठिकानों के निकट रॉकेट दागे

बेरूत। लेबनान के आतंकवादी समूह हिज्बुल्ला ने कहा है कि उसने आज दिन में दक्षिणी लेबनान में हुए हवाई हमलों के जवाब में लेबनानी सीमा के निकट इजराइली ठिकानों के निकट रॉकेट दागे हैं। हिज्बुल्ला ने एक बयान में कहा कि उसने शेबा फार्म्स इलाके में इजराइली ठिकानों के निकट खुले मैदान में दर्जनों रॉकेट बरसाए। हालांकि इसके अतिरिक्त उसने कोई जानकारी नहीं दी।

वेनेजुएला में महंगाई सातवें आसमान पर, पांच लीटर पानी की कीमत 1.84 अमेरिकी डॉलर हुई

कराकस (वेनेजुएला)। वेनेजुएला सातवें आसमान पर पहुंची महंगाई दर से जूझ रहा है और इसकी वजह से उसकी मुद्रा बोलीवर की कीमत में भारी गिरावट आयी है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला ने कहा कि उसकी नयी मुद्रा व्यवस्था के तहत वर्तमान में 10 लाख बोलीवर की कीमत एक बोलीवर हो जाएगी। इसका करण तेजी से बढ़ती महंगाई दर है। वेनेजुएला के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि बोलीवर में बदलाव एक अक्टूबर से प्रभावी होगा। नयी व्यवस्था में 100 बोलीवर सबसे बड़ा नोट होगा और उसकी कीमत वर्तमान 10 करोड़ बोलीवर के बराबर होगी। यह लगातार छठा साल है, जब वेनेजुएला में मंदी की स्थिति बनी हुई है। खाद्य वस्तुएं महंगी होने से लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और वे गरीबी में फंसते जा रहे हैं। फिलहाल 10 लाख बोलीवर सबसे बडा नोट है, लेकिन यह दुर्लभ है। यहां पांच लीटर पानी की बोतल की कीमत बृहस्पतिवार को 74 लाख बोलीवर या 1.84 अमेरिकी डॉलर हो गयी।

अफगानिस्तान के शिबरघन शहर में 40 तालिबान आतंकवादी मारे गए

काबुल। अफगानिस्तान की सेना की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि कम से कम 40 तालिबान आतंकवादी मारे गए हैं और लड़ाकू विमानों द्वारा समर्थित सुरक्षा अभियान शुक्रवार को अफगानिस्तान के जवाजान प्रांत की राजधानी शिबरघन शहर में जारी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बयान के हवाले से कहा कि लड़ाकू विमानों द्वारा समर्थित सुरक्षा बलों ने आज शिबरघन शहर पर तालिबान के हमले को नाकाम करने के लिए एक जवाबी हमले में 40 विद्रोहियों को मार गिराया और 15 अन्य को पकड़ लिया। बयान में कहा गया है कि तालिबान विद्रोही शिबरघन शहर में घरों में घुस गए और नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकारी बलों को जोड़ने से शहर को साफ होने तक विद्रोहियों को निशाना बनाना जारी रहेगा। शिबरघन के अधिकारियों और निवासियों के अनुसार तालिबान आतंकवादी शुक्रवार सुबह शहर में घुसे और मुठभेड़ जारी है। तालिबान संगठन ने गतिविधियों को तेज कर दिया है और मई की शुरूआत से लगभग 200 जिलों पर कब्जा कर लिया है, जिनमें कुछ जवज्जन में भी शामिल हैं। समूह हेरात, लश्कर गाह, शिबरघन और मैमाना सहित बड़े शहरों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है।

फ्रांस की शीर्ष अदालत ने स्वास्थ्य पास के व्यापक उपयोग को मंजूरी दी

पेरिस। फ्रांस के सर्वोच्च संवैधानिक निकाय ने स्वास्थ्य पास के उपयोग को सार्वजनिक स्थानों की एक विस्तृत श्रृंखला में विस्तारित करने और स्वास्थ्य कार्यकताओं के लिए कोविड -19 टीकाकरण को अनिवार्य बनाने के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित उपायों को मंजूरी दे दी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संवैधानिक परिषद ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि स्वास्थ्य पास के उपाय संविधान का पालन करते हैं। अधिक संक्रामक कोविड -19 रूपों के प्रसार को रोकने के लिए, सरकार ने जुलाई में प्रस्ताव दिया कि कैफे, रेस्तरां, जिम, शॉपिंग सेंटर और यहां तक कि अस्पतालों (आपात स्थिति को छोड़कर) में प्रवेश करने के इच्छुक लोगों को एक प्रमाण पत्र दिखाना होगा, जो साबित कर सके कि वे पूरी तरह वैक्सिनेटिड है, उन्होंने नकारात्मक परीक्षण किया है, या हाल ही में कोरोनावायरस से रिकवर हुए है। फ्रांस में, सिनेमाघरों और संग्रहालयों जैसे सांस्कृतिक और अवकाश स्थलों में 50 से अधिक लोगों की सभा के लिए 21 जुलाई से स्वास्थ्य पास अनिवार्य कर दिया गया है। इस बीच, अदालत ने कोविड -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाले किसी भी व्यक्ति पर 10-दिवसीय क्वारंटीन लगाने की सरकार की इच्छा को खारिज कर दिया।

अफगानिस्तान को लेकर रूस ने बुलाई बैठक, चीन, अमेरिका और पाक को बुलावा, भारत से बनाई दूरी

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

पड़ोसी देश अफगानिस्तान में तेजी से बदल रहे हालात के बीच रूस ने एक अहम बैठक बुलाई है। सबसे खास बात तो यह है कि रूस की इस बैठक में पाकिस्तान, चीन तथा अमेरिका के शामिल होने की संभावना है। लेकिन भारत को इसका निमंत्रण नहीं भेजा गया है। कतर में आयोजित होने वाली इस बैठक का नाम 'विस्तारित ट्रोइका' होगा। हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान को लेकर रूस ने कोई बैठक की है और उसमें भारत को निमंत्रण नहीं दिया है। इससे पहले भी अफगानिस्तान पर बैठक में रूस ने भारत को नहीं बुलाया था। उस समय भी भारत-रूस के संबंधों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे थे। यह बैठक 11 अगस्त को कतर में होनी है।

इससे पहले इसी प्रारूप के तहत एक बैठक 18 मार्च और 30 अप्रैल को हुई थी। अफगानिस्तान में शांति कायम करने और राष्ट्रीय सुलह की प्रक्रिया की शर्तें तय करने के लिए रूस मास्को फॉर्मेट भी आयोजित करा रहा है। रूस लगातार अफगानिस्तान में तालिबान के बढ़ते हमले में हिंसा रोकने तथा अफगान शांति प्रक्रिया पर जोर देने के लिए युद्ध ग्रस्त देश में सभी प्रमुख हितधारकों तक पहुंचने के प्रयास तेज कर दिए हैं। 'विस्तारित ट्रोइका' की बैठक का आमंत्रण नहीं दिए जाने के बाबत सवाल पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि अफगानिस्तान के मुद्दे पर नयी दिल्ली और मास्को के बीच नियमित रूप से बातचीत होती रहती है। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक विशेष रणनीतिक साझेदारी से बंधे हैं। हम अफगानिस्तान पर रूस के साथ नियमित रूप से चर्चा करते हैं।

भारत-रूस संबंध

रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव ने पिछले महीने ताशकंद में कहा कि उनका देश भारत और अन्य देशों के साथ काम करता रहेगा जो अफगानिस्तान में स्थिति पर असर डाल सकते हैं। इन टिप्पणियों के बाद ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि भारत को आगामी ''विस्तारित ट्रोइका' बैठक में शामिल किया जा सकता है। इसके बाद माना जा रहा था कि अफगानिस्तान को लेकर रूस के इस बैठक के में भारत को निमंत्रण मिल सकता है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल तो यही उठ रहा है कि क्या भारत और रूस के संबंध ठीक नहीं है? क्योंकि माना जाता है कि आजादी के बाद से ही भारत और रूस के संबंध बेहतर रहे है। हालांकि फिलहाल दोनों देशों के संबंधों में उतार-चढ़ाव की स्थिति देखी जा रही है। इसी साल भारत-रूस शिखर सम्मेलन प्रस्तावित था जिसे रद्द कर गया। बताया गया कि कोरोना वायरस की वजह से इसे रद्द किया गया है। इस बैठक में खुद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल होने वाले थे। वर्ष 2000 के बाद यह पहला मौका है जब भारत और रूस के बीच शिखर सम्मेलन को टाला गया है। पिछले 20 सालों से यह लगातार आयोजित होता रहा है।

भारत की चिंता

भारत की चिंता इसलिए भी बढ़ सकती है क्योंकि चीन और रूस के संबंध मजबूत हुए है। पिछले साल अक्टूबर में व्लादिमीर पुतिन ने वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब की 17 वीं वर्षगांठ पर आयोजित बैठक में चीन, जर्मनी, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका का नाम लिया था लेकिन भारत के लिए कुछ नहीं कहा था। रूस और चीन दोनों देशों ने अपने रिश्तो को मजबूत किया है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक बनाने की रणनीति लगातार बनाई जा रही है। वर्तमान परिस्थिति में देखें तो भारत और रूस के बीच कई बड़े रक्षा सौदे अधर में लटके हुए है। भारत पर यह भी आरोप लग रहा है कि अमेरिका के दबाव में स-400 की खरीद के बाद वह रूस से नया रक्षा खरीद समझौता करने से बच रहा है। रूस की सहमति से ही देश में राइफल का कारखाना तैयार हुआ है। हालांकि दोनों देशों के बीच कामोव केए-226 मैरिटाइम हेलीकॉप्टर की कीमत का मामला फंसा हुआ है। साथ ही साथ एके-203 के उत्पादन को लेकर अभी तक औपचारिक सहमति नहीं बन पाई है।

इस बीच, भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मामुन्दजे ने अफगानिस्तान में स्थिति पर चर्चा करने के लिए छह अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक कराने के फैसले को सकारात्मक कदम बताया।संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने एलान किया कि भारत की अध्यक्षता के तहत शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अफगानिस्तान में स्थिति पर चर्चा की जाएगी। मामुन्दजे ने ट्वीट किया, ''अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का आपात सत्र बुलाना एक सकारात्मक कदम है। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आतंकवादियों की हिंसा और अत्याचारों के कारण अफगानिस्तान में हो रही

त्रासदी को रोकने में अहम भूमिका निभानी चाहिए। यूएनएससी अध्यक्ष के तौर पर अग्रणी भूमिका के लिए शुक्रिया भारत।'' यूएनएससी की बैठक कराने का फैसला तब आया है जब दो दिन पहले अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ अतमार ने तालिबान की हिंसा रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का आपात सत्र बुलाने पर अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से बात की। भारत अगस्त माह के लिए यूएनएससी का अध्यक्ष है।अफगानिस्तान में शांति एवं स्थिरता में भारत प्रमुख पक्षकार है। उसने युद्धग्रस्त देश में सहायता और पुनर्निर्माण गतिविधियों में करीब तीन अरब डॉलर का निवेश किया हुआ है।भारत अफगानिस्तान के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय शांति एवं सुलह प्रक्रिया का समर्थन करता रहा है।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका, प्योंगयांग की सहभागिता की कोशिशों पर सहमत

सियोल (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चुंग यूई-योंग और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को एक फोन कॉल के दौरान प्योंगयांग के साथ बातचीत करने और कोरियाई प्रायद्वीप में स्थायी शांति कायम रखने के लिए निरंतर कोशिश करने पर सहमति जताई।

योनहाप समाचार एजेंसी ने सियोल में विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के हवाले से कहा, मंत्री और सचिव इस बात पर सहमत हुए कि दक्षिण और अमेरिका कोरियाई प्रायद्वीप पर पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण और स्थायी शांति की स्थापना के लक्ष्य की दिशा में ठोस प्रगति के लिए समन्वित राजनयिक प्रयास करना जारी रखेंगे। इसमें कहा गया है, विशेष रूप से, दोनों देशों ने मानवीय सहयोग सहित उत्तर के साथ सहयोग के तरीकों पर ठोस परामर्श किया और उत्तर के साथ जुड़ाव के प्रयासों को जारी रखने पर सहमत हुए। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि ब्लिंकन ने अंतर-कोरियाई सुलह के लिए अमेरिकी समर्थन दोहराया। प्राइस ने कहा, सचिव और विदेश मंत्री ने कोरियाई प्रायद्वीप पर पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण और स्थायी शांति की स्थापना के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और सचिव ने इंटर-कोरियाई वार्ता और जुड़ाव के लिए अमेरिकी समर्थन की पुष्टि की।

पाकिस्तान में लोगों ने हिंदू मंदिर पर किया हमला, मूर्तियां भी तोड़ी, इमरान खान ने दिए जांच के आदेश

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भीड़ ने हिंदुओं के एक मंदिर पर हमला कर मूर्तियों को खंडित कर दिया और मंदिर के कुछ हिस्से को जला दिया। इस पर, प्रधानमंत्री इमरान खान ने क्षतिग्रस्त मंदिर का जीर्णोद्धार करने और सभी दोषियों को गिरफ्तार करने का वादा किया। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश गुलजार अहमद ने ''गंभीर चिंता'' प्रकट की और उन्होंने न्यायालय में इस विषय की सुनवाई शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध की है।

पाकिस्तान में क्यों तोड़ा गया हिंदू मंदिर

पुलिस ने बताया कि रहीम यार खान जिले के भोंग शहर में भीड़ ने बुधवार को हिंदू मंदिर पर हमला किया। यह स्थान लाहौर से करीब 590 किलोमीटर दूर है। पुलिस ने बताया गया कि एक मदरसे के

पुस्तकालय को कथित तौर पर अपवित्र करने की घटना के बाद कुछ लोगों के उकसाने पर भीड़ ने इस घटना को अंजाम दिया। पिछले हफ्ते हिंदू समुदाय के आठ साल के एक बच्चे ने इलाके के मदरसे के पुस्तकालय में कथित तौर पर पेशाब कर दिया था, जिसके बाद भोंग में तनाव व्याप्त हो गया। इस इलाके में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग दशकों से शांतिपूर्ण तरीके से रहते आए हैं।

आठ साल के मासूस हिंदू बच्चे पर दर्ज किया गया मामला

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुस्तकालय को कथित तौर पर अपवित्र करने वाले आठ वर्षीय बच्चे के खिलाफ ईशनिंदा का मामला दर्ज कर पिछले हफ्ते उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, उसे बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। रहीम यार खान के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) असद सरफराज ने बताया, '' हमलावरों ने डंडे, पत्थर और ईंटें उठा रखी थीं। उन्होंने धार्मिक नारे लगाते हुए देवी-देवताओं की मूर्तियां खंडित कर दी।'' उन्होंने बताया कि मंदिर के एक हिस्से को जला भी दिया गया। सरफराज ने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हालात काबू में कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया है। उन्होंने कहा, ''रेंजर्स को बुलाया गया और हिंदू मंदिर के इर्द-गिर्द तैनात किया गया।''

डेल्टा से भी खतरनाक होगा कोरोना का अगला वेरिएंट, दर्द और पीड़ा का सामना करेंगे लोग : डॉ एंथनी फाउची

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डा. एंथनी फाउची ने चेतावनी दी है कि भविष्य में अधिक ''दर्द और पीड़ा'' का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि कोविड-19 के मामले फिर से बढ़ रहे है। साथ ही उन्होंने उन नागरिकों से टीका लगवाने का अनुरोध किया जिन्होंने अभी तक टीका नहीं लगवाया है। फाउची ने कहा कि उन्हें अमेरिका में अतिरिक्त लॉकडाउन की उम्मीद नहीं है क्योंकि पिछली सर्दियों की पुनरावृत्ति से बचने के लिए पर्याप्त लोगों को टीका लगाया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी ''महामारी को खत्म'' करने के लिए पर्याप्त टीकाकरण नहीं हुआ है।

फाउची ने रविवार को एबीसी के ''दिस वीक'' पर कहा, ''मुझे विश्वास है, अतिरिक्त लॉकडाउन की जरूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन हम भविष्य में कुछ दर्द और पीड़ा देख रहे हैं क्योंकि हम मामलों को बढ़ते हुए देख रहे हैं, यही कारण है कि हम बार-बार कहते रहते हैं कि इसका समाधान टीकाकरण है।'' जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के 30 जुलाई के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण के दैनिक नए मामले 16 जुलाई को 30,887 से बढ़कर 30 जुलाई को 77,827 हो गये और इसी अवधि में मृतकों की संख्या भी बढ़ी है जो 16 जुलाई को 253 से बढ़कर 30 जुलाई को 358 हो गई।

रोग नियंत्रण और रोकथाम केन्द्र (सीडीसी) के आंकड़े के अनुसार, वर्तमान में 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 58 प्रतिशत अमेरिकियों को पूरी तरह से टीका लगाया गया है। सीडीसी ने टीकाकरण के बाजवूद देशभर के स्कूलों में सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों और आगंतुकों के लिए मास्क पहनने की भी सिफारिश की है।

यूरोपीय संघ के यात्रा मानचित्र में अधिक लाल, नारंगी जोन दिखाई दिए

ब्रसेल्स (एजेंसी)।

यूरोपियन सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन एंड कंट्रोल (ईसीडीसी) ने कहा है कि महाद्वीप में कोविड -19 महामारी के पुनरुत्थान को सीमाओं के खुलने और यात्रा प्रतिबंधों में ढील से जोड़ा जा सकता है। ईसीडीसी द्वारा गुरुवार को जारी किया गया यात्रा कार्ड बहुत उत्साहजनक नहीं था। यूरोप अब एक हफ्ते पहले की तुलना में लाल जोन में है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, महाद्वीप का दक्षिण, जहां कई पर्यटक मिलते हैं, महामारी से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र प्रतीत होता है। दक्षिण में, फ्रांस, ग्रीस और इटली ने अपने क्षेत्रों में नए नारंगी और लाल क्षेत्रों में बढ़ते देखा है। इतालवी प्रायद्वीप में, सिसिली और सार्डिनिया द्वीपों को छोड़कर सब नारंगी जोन थे, लेकिन अब टस्कनी और मार्चे भी लाल जोन में आ गए हैं। इस हफ्ते, उत्तर भी धीरे धीरे लाल जोन आ रहा है, जैसा कि एस्टोनिया और आइसलैंड के मामलों में हुआ। फिनलैंड में, हेलसिंकी उन कई क्षेत्रों में से एक है जो लाल जोन में हैं। फिनिश नेशनल ब्रॉडकास्टर येल के अनुसार, डेल्टा वेरिएंट के त्वरित प्रसार के साथ, राजधानी हेलसिंकी सहित तीन सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्रों का मूल्यांकन बुधवार से तेजी से फैलने वाली महामारी के चरण में प्रवेश करने के लिए किया गया है। नॉर्डिक देश में लागू मौजूदा महामारी वर्गीकरण मानदंड के अनुसार यह सबसे गंभीर चरण है। डब्ल्यूएचओ यूरोप के क्षेत्रीय निदेशक हैंस क्लूज ने पिछले महीने कहा था कि महाद्वीप में डेल्टा वेरिएंट के प्रसार से जुड़े मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, जो पूरे महाद्वीप में सबसे प्रमुख तनाव बन गया है। यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी (ईएमए) और ईसीडीसी ने बुधवार को एक संयुक्त बयान जारी कर इस बात पर जोर दिया कि डेल्टा वेरिएंट से बचाव के लिए पूर्ण कोविड 19 टीकाकरण महत्वपूर्ण है।

जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटने के 2 साल पूरे होने पर पाकिस्तान ने भारत की आलोचना की

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा समेत पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने दो साल पहले आज के दिन जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा रद्द करने के भारत के फैसले की बृहस्पतिवार को आलोचना की और कश्मीरी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। भारतीय संसद ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को मिले विशेष राज्य के दर्जे को पांच अगस्त 2019 को समाप्त कर दिया था और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों--जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख--में बांट दिया था। भारत के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान ने दिल्ली के साथ अपने रिश्तों को लेकर कदम पीछे खींच लिए थे और व्यापारिक संबंध स्थगित कर दिए थे। भारत ने कहा है कि अनुच्छेद 370 से संबंधित मुद्दा पूरी तरह से देश का आंतरिक मामला है और जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। प्रधानमंत्री खान ने कहा कि पांच अगस्त 2019 की भारत की एकतरफा एवं अवैध कार्रवाई को आज दो साल हो गए हैं।

पाकिस्तान इस मौके पर 'यौम-ए-इस्तेहसाल' मना रहा है। उन्होंने भारत पर क्षेत्र की जनसांख्यिकी में बदलाव की कोशिश का आरोप लगाते हुए दावा किया ,÷इन दो साल में दुनिया अप्रत्याशित दमन का गवाह बनी है।÷ खान ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए हर मंच पर अपनी आवाज उठाता रहेगा। फौज के एक बयान के मुताबिक, जनरल बाजवा ने आरोप लगाया कि भारत कश्मीर के लोगों को सैन्य घेराबंदी में रख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए जरूरी है कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के मुताबिक कश्मीर विवाद का हल निकाला जाए। इस बीच, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कश्मीर की स्थिति के बारे में भारतीय विदेश मंत्री के बयान को निराधार बताकर खारिज कर दिया।

विदेश कार्यालय ने न्यू जम्मू कश्मीर पर भारतीय मंत्री के ट्वीट के संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, हम भारत को याद दिलाना चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विवाद है और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में सबसे लंबे समय विचाराधीन मुद्दों में से एक है। विदेश कार्यालय ने पांच अगस्त, 2019 को भारत की एकतरफा कार्रवाई के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए यहां भारतीय राजदूत को भी तलब किया और सख्त आपत्तिपत्र जारी किया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने कश्मीरियों के समर्थन में आयोजित एक रैली में हिस्सा लिया और बाद में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान अपने कश्मीरी भाइयों के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत आग से खेल रहा है और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को तबाह कर रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान भारत के साथ तब तक कोई बातचीत नहीं करेगा जब तक कि नई दिल्ली पांच अगस्त 2019 के अपने फैसले को रद्द नहीं करती।

रैली में विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी, सूचना मंत्री फवाद चौधरी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री शिबली फराज़, रेल मंत्री आज़म स्वाति और सरकार के अधिकारी व समाज के अन्य तबकों के कई लोग शामिल हुए। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए, कुरैशी ने कहा कि पूरा पाकिस्तानी राष्ट्र और कश्मीरी लोग भारत सरकार के पांच अगस्त 2019 के अवैध और एकतरफा कदमों को खारिज करते हैं। उन्होंने कहा, ÷हम कश्मीरी लोगों का समर्थन करना जारी रखेंगे।÷ जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त करने के भारत के कदम की निंदा करने के लिए विरोध रैलियां, एकजुटता वॉक और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

इस साल एक लाख ग्रीन कार्ड के बर्बाद होने का खतरा, भारतीय आईटी पेशेवरों में नाराजगी

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

रोजगार आधारित करीब एक लाख ग्रीन कार्ड्स के दो महीने के भीतर बर्बाद होने का खतरा है जिससे भारतीय आईटी पेशेवरों में नाराजगी है जिनका वैध स्थायी निवास का इंतजार अब दशकों तक के लिए बढ़ गया है। आधिकारिक तौर पर स्थायी निवास कार्ड के तौर पर जाने जाना वाला ग्रीन कार्ड आप्रवासियों को साक्ष्य के तौर पर जारी एक दस्तावेज है कि धारक को अमेरिका में स्थायी रूप से निवास करने की सुविधा दी गई है। भारतीय पेशेवर संदीप पवार ने बताया कि इस साल आप्रवासियों के लिए रोजगार आधारित कोटा 2,61,500 है जो 1,40,000 के सामान्य तौर पर कोटा से काफी ज्यादा है। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से, कानून के तहत, अगर ये वीजा 30 सितंबर तक जारी नहीं किए जाते, तो ये हमेशा के लिए बर्बाद हो जाते हैं।'

उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा या यूएससीआईएस द्वारा वीजा प्रक्रिया की मौजूदा गति दिखाती है कि वे 1,00,000 से ज्यादा ग्रीन कार्ड बेकार कर देंगे। इस तथ्य की वीजा उपयोग निर्धारित करने वाले विदेश मंत्रालय के प्रभारी ने हाल में पुष्टि भी की थी। पवार ने खेद जताया कि अगर यूएससीआईएस या बाइडन प्रशासन कोई कदम नहीं उठाता तो इस साल उपलब्ध अतिरिक्त 1,00,000 ग्रीन कार्ड बर्बाद हो जाएंगे। इस संबंध में पूछे गए प्रश्नों पर व्हाइट हाउस ने कोई जवाब नहीं दिया। इस बीच, अमेरिका में रह रहे 125 भारतीयों एवं चीनी नागरिकों ने प्रशासन द्वारा ग्रीन कार्ड बर्बाद होने से रोकने के लिए एक मुकदमा दायर किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांच युवकों ने एक साथ मिलकर चाकू से मार कर मौत के घाट उतार दिया

क्रांति समय दैनिक

सूरत के उधना फ्लाईओवर ब्रिज के सामने एक युवक की मौत हो जाने से इलाके में कोहराम मच गया. हत्याकांड में जेल से जमानत पर छूटे युवक की पांच अन्य युवकों ने चाकू मारकर हत्या कर दी. रात में हुई इस घटना के बाद उधना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या कर फरार हुए 4 युवकों की तलाश शुरूकर दी. हाथापाई में घायल हुए एक आरोपी को इलाज के लिए नए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पांच से सात बार चाकू से हमला कर मार डाला उधना पुलिस ने गुरुवार रात को खरवर नगर के पासर फ्लाईओवर के नीचे 26 वर्षीय प्रहलाद नामित को पांच अन्य युवकों चाकू मारकर हत्या कर दिया, शुरुआती जानकारी के मुताबिक बंटी पर कानू टाइगर, राहुल, लालो, उमेश मंजारो समेत पांच अन्य युवकों की मिलकर उसे मारा हत्या के मुख्य आरोपी कानू टाइगर को भी हाथापाई में

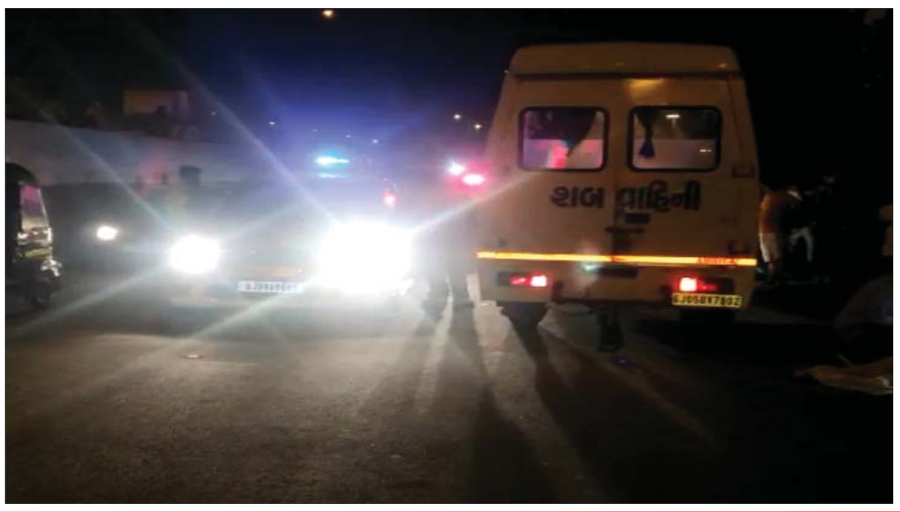

घायल होने के बाद इलाज के लिए एक नए सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था। एक युवक की हत्या से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। यह संभव है कि बंटी को पिछले व्यक्तिगत झगड़ों के चलते मार दिया गया था, और कानू टाइगर के भाई की हत्या के सिलसिले में बंटी ने उस पर हमला किया था और उसे मार डाला था। उधना पुलिस ने अन्य चार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सूरत का सीए छात्र प्रेमी के साथ फरार, अपहरण और फिरौती के कॉल ड्रामा में दोनों गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

वराछा के दह्या पार्क इलाके की रहने वाली 20 साल की श्वेता (बदला हुआ नाम) ने फिरौती की मांग करते हुए फोन बंद कर दिया था। में पढ़ता है। सप्ताह पहले वह अपने राजस्थानी प्रेमी आकाश के साथ भाग गई थी। श्वेता और आकाश ने अज्ञात नंबर से श्वेता के जौहरी पिता को फोन कर परिवार और पुलिस को गुमराह करने की साजिश रची और श्वेता के जिंदा रहने पर 10 लाख रुपये की फिरौती की मांग की। इसके बाद फोन कट गया।

प्रेमियों को दिल्ली से सूरत लाए जाने के बाद वराछा पुलिस ने अपहरण और फिरौती का मामला दर्ज किया था. इसके बाद लवर-पंख भी सीसीटीवी में कैद हो गए। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर दोनों की तलाश कर रही थी। चार दिन की कड़ी मशक्कत के बाद श्वेता और आकाश खटीक को दिल्ली में आगरा रोड पर तोलनाका के पास चलती बस में पकड़ लिया गया. पुलिस दोनों को दिल्ली से ले आई।

अपहरण के बहाने फिरौती मांगने के अपराध में गिरफ्तारी वास्तव में असामाजिक तत्व नहीं था, लेकिन यह स्पष्ट था कि

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

श्वेता और आकाश ही फिरौती मांगने वाले थे। ऐसे में पुलिस अधिकारी इस बात को लेकर आशंकित थे कि इस मामले में कैसे कार्रवाई की जाए। आखिरकार दोनों को गिरफ्तार करने का फैसला किया गया, इसलिए पुलिस ने श्वेता और आकाश को फिरौती के लिए श्वेता का अपहरण करने के बहाने गिरफ्तार कर लिया है।

पूछताछ में दोनों ने कहा कि श्वेता उससे मिलने जा रही थी क्योंकि आकाश का दोस्त भी वहीं पढ़ रहा था जहां सीए पढ़ रहा था। आकाश और श्वेता के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। ढाई साल बाद दोनों को परिवार में शादी के बारे में बात नहीं करने दी गई, इसलिए दोनों ने 3 महीने पहले परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी करने के लिए घर से भागने की योजना बनाई।

आकाश, जिसने एक सादा फोन खरीदा ताकि पुलिस मोबाइल का पता न लगा सके, उसने दोस्ती के समझौते के साथ भागने का फैसला किया क्योंकि उसके पास 21 महीने बाकी थे। उसने एक वीडियो में देखा कि पुलिस मोबाइल को ट्रेस कर आरोपी तक पहुंच सकती है, इसलिए दोनों ने 5 सिम और 5 सादे फोन भी ले लिए। दोनों 12 घंटे से ज्यादा कहीं नहीं रुके।

गुजरात की जनता ने कांग्रेस को तड़ीपार कर दिया है : उप मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक

उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने आज कहा कि कांग्रेस को विकास हजम नहीं हो रहा है। राज्य की जनता कांग्रेस को तड़ी पार कर चुकी है। शनिवार को राज्य की मुख्यमंत्री विजय रुपाणी सरकार के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 1 अगस्त से 9 अगस्त विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को रोजगार दिवस का आयोजन किया गया है और इस मौके पर 50000 से अधिक युवकों को नियुक्ति पत्र प्रदानकिया गया। उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल की उपस्थिति में अहमदाबाद जिले के साणंद

में रोजगार दिवस आयोजित किया गया। सरकार किसान और रोजगार के लिए काम करती है। वाइब्रेंट गुजरात की राज्य में जब शुरुआत की गई, तब कांग्रेस ने उसका विरोध किया था। सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात के जरिए बड़ी कंपनियां गुजरात में स्थापित हों, इसके प्रयास किए थे। ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार मिल सके। बेरोजगार होने पर गलत विचार आते हैं और कानून व्यवस्था बिगड़ती है। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए सरकार ने योजनाओं के जरिए रोजगार दिया और अच्छी व्यवस्था के साथ प्रोत्साहन देने का काम किया है।

सार-समाचार

17 अगस्त से गुजरात हाईकोर्ट में प्रत्यक्ष सुनवाई होगी शुरू

अहमदाबाद,कोरोना महामारी के चलते गुजरात हाईकोर्ट में प्रत्यक्ष सुनवाई बंद थी। राज्य में अब लगातार कोरोना संक्रमण घटने से स्थिति सामान्य हो रही है। कोरोना केस कम होने से गुजरात हाईकोर्ट में प्रत्यक्ष सुनवाई शुरूहोने जा रही है। आगामी 17 अगस्त से हाईकोर्ट में प्रत्यक्ष सुनवाई का प्रारंभ होगा। कोर्ट परिसर में प्रवेश करने वाले सभी को कोरोना गाइडलाइन का पालन करना होगा। फिलहाल हाईकोर्ट में ऑनलाइन प्रक्रिया जारी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री आज अहमदाबाद में दो ऑवर ब्रिजों का वर्च्युअली लोकार्पण करेंगे

अहमदाबाद, गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कल पांच वर्ष पूर्ण हो जाएगा और इसके उपलक्ष्य में 1 अगस्त से 9 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 7 अगस्त शनिवार राज्य में विकास दिवस के रूप में मनाया जाएगा। शनिवार को विकास दिवस का आयोजन गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजन किया गया है। जिसमें मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल मौजूद रहेंगे। विकास दिवस के अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री अहमदाबाद के सरखेज-गांधीनगर हाईवे पर बने दो ब्रिजों का लोकार्पण करेंगे। गांधीनगगर-सरखेज हाईवे पर बने 11 में से 5 ब्रिजों का अब तक लोकार्पण हो चुका है। शनिवार को और दो ब्रिजों का लोकार्पण किया जाएगा। इसके अलावा रक्षा शक्तियूनिवर्सिटी फ्लाई ऑवर ब्रिज का ई शिलान्यास भी शनिवार को किया जाएगा।

तालाब में नहाने गए तीन बच्चे डूबे, दो बच्चों की मौत

अहमदाबाद,जिले के गाणेशर गांव के तालाब में नहाने गए तीन बच्चों में दो की मौत हो गई।

जबकि एक बच्चे ने किसी प्रकार तालाब से बाहर निकल अपनी जान बचा ली। धोलका पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मामले की जांच शुरू की है।

अहमदाबाद जिले की धोलका तहसील के गाणेशर गांव के तालाब में हर्षद डाभी, सुभाष देवीपूजक और यश डाभी नामक तीन बच्चे नहाने गए थे। तालाब में तीनों बच्चे पानी में डूबने लगे।

जिसमें यश डाभी नामक किशोर किसी प्रकार बाहर निकल आया। जबकि हर्षद और सुभाष पानी में डूब गए। खबर लगते ही स्थानीय लोग तालाब पर जमा हो गए। हांलाकि तब दोनों बच्चों की पानी में डूबकर मौत हो गई।

सूचना पाकर धोलका पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और बच्चों के शवों को बाहर से निकाल पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शुरू की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान में हिंदू मंदिर तोड़े जाने पर सख्त मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान कितना भी शांतिदूत बनने का छद्म और झूठा प्रयास करे लेकिन उसका सच समय-समय पर अपने आप ही सामने आ जाता है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मुस्लिमों की भीड़ ने मंदिर पर हमला कर दिया और वहां मौजूद प्रतिमाओं से भी तोड़फोड़ कर दी। हालात इतने बेकाबू थे कि पुलिस भी मूक दर्शक बनी रही। इस घटना पर नरेंद्र मोदी सरकार ने काफी सख्त कदम उठाया है। भारत ने गुरुवार को दिल्ली में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक को तलब किया है। दरअसल, चार अगस्त को देर रात पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कट्टरपंथियों की भीड़ ने एक हिंदू मंदिर पर हमला कर दिया। इस भीड़ ने मंदिर में लगी देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को भी तहस-नहस कर डाला। इस घटना का विरोध भारत में हुआ। सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों ने पाकिस्तान की इमरान खान सरकार पर निशाना साधा। इसी कड़ी में अब भारत सरकार ने ना सिर्फ दिल्ली में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक को तलब किया बल्कि मंदिर की तोड़फोड़ पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की धार्मिक स्वतंत्रता पर निरंतर हमलों को लेकर अपनी गंभीर चिंताओं से भी पाकिस्तानी राजनयिक को अवगत कराया है। बागची ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि यहां पाकिस्तानी उच्चायोग के प्रभारी को गुरुवार दोपहर तलब किया गया और पाकिस्तान में हुई इस निंदनीय घटना को लेकर, अल्पसंख्यक समुदायों की धार्मिक स्वतंत्रता एवं उनके धार्मिक स्थलों पर लगातार हो रहे हमलों पर अपनी गंभीर चिंता प्रकट करते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है. पाकिस्तान के मंदिर में यह हमला उस समय हुआ जब पंजाब प्रांत में मुस्लिमों की भीड़ ने मंदिर पर धावा बोल दिया। हालात इतने बेकाबू थे कि पुलिस भी मूकदर्शक बनी रही और आखिरकार स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स को बुलाना पड़ा। पुलिस ने बताया कि मुस्लिमों की भीड़ ने बुधवार को मंदिर पर हमला किया। यह मामला रहीम यार खान जिले के भोंग शहर का है, जो लाहौर से करीब 590 किलोमीटर दूरी पर है। पुलिस के मुताबिक, भीड़ ने कथित तौर पर एक मदरसे के अपमान का बदला लेने के लिए मंदिर में तोड़फोड़ की। हालांकि घटना के बाद बुधवार को सत्ताधारी पाकिस्तानी तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सांसद डॉक्टर रमेश कुमार वंकवानी ने अपने ट्विटर अकाउंट से इस हमले का वीडियो ट्वीट कर पुलिस से तुरंत मौके पर पहुंचने को कहा। सिलसिलेवार किए कई ट्वीट में उन्होंने कहा कि भोंग शहर में हिंदू मंदिर पर हमला किया गया। यहां कल से स्थिति काफी तनावपूर्ण है। स्थानीय पुलिस द्वारा की गई लापरवाही शर्मनाक है।

गुजरात और गोवा में कहीं बिगड़ न जाए सियासी खेल

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी में जुटी भाजपा अपनी सत्ता वाले पश्चिम के दो राज्यों गुजरात और गोवा को लेकर भी पूरी सतर्कता बरत रही है। गोवा में साल की शुरुआत में और गुजरात में साल के आखिर में चुनाव होने हैं। पार्टी ने अभी से ही दोनों राज्यों की अंदरूनी रिपोर्ट मंगानी शुरू कर दी है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले दिनों गोवा का दौरा भी किया था और जमीनी स्थिति की जानकारी हासिल की। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण सबका फोकस उस पर है, लेकिन अन्य चुनाव वाले राज्य भी उसकी रणनीति में प्रमुखता से शामिल है, जिसमें उसकी सत्ता वाले राज्य के लिए विशेष ध्यान रखा जा रहा है। गोवा का विधानसभा चुनाव उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर के साथ अगले वर्ष की शुरुआत में ही होना है। छोटा राज्य होने के बावजूद गोवा का राजनीतिक महत्व काफी ज्यादा है, क्योंकि वहां पर राजनीतिक उठापटक ज्यादा होती है। पार्टी ने अपने मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को ही वहां पर बतौर मुख्यमंत्री का चेहरा पेश करने की तैयारी कर रखी है। जेपी नड्डा ने अपने हाल के गोवा के दौरे में इसके संकेत भी दिए थे। हालांकि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे भी दावेदारी कर रहे हैं। उनका मुख्यमंत्री के साथ कोरोना प्रबंधन को लेकर खींचतान की खबरें भी आती रही है। विश्वजीत राणे पूर्व मुख्यमंत्री प्रताप सिंह राणे के पुत्र हैं। गुजरात चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य है, इसलिए वहां की सारी रणनीति इन दोनों शीर्ष नेताओं के इर्द-गिर्द ही रहती है। ऐसे में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर बहुत ज्यादा समस्या नहीं आती है। मौजूदा मुख्यमंत्री विजय रुपाणी चुनाव में चेहरा होंगे या नहीं होंगे यह बात ज्यादा मायने नहीं रखेगी। हालांकि चर्चा है कि पार्टी वहां पर रुपाणी के नेतृत्व में ही जाएगी, लेकिन असम की तरह ही उनको भविष्य का चेहरा घोषित नहीं करेगी। इसकी वजह राज्य के सामाजिक समीकरण भी हैं। गुजरात में भाजपा को मुख्य चुनौती कांग्रेस से ही मिल रही है, लेकिन वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल के निधन के बाद वहां पर कांग्रेस कुछ कमजोर पड़ी है। गोवा और गुजरात दोनों राज्यों में आम आदमी पार्टी ने भी दखल देना शुरू किया है। हालांकि वह चुनाव को कितना प्रभावित करेगी यह साफ नहीं है, क्योंकि दोनों राज्यों में उसके पास संगठन और कार्यकर्ताओं की कमी तो है ही साथ ही जनता में स्वीकार्यता बनाना भी उसके लिए चुनौती होगी। लेकिन भाजपा सभी पहलुओं पर नजर रखे है।

बीजेडी विधायक के 2 घरों पर बम से हमला 4 समर्थक घायल

गंजम। ओडिशा के गंजम जिले में सत्तारूढ़ बीजेडी विधायक सूर्यमणि बैद्य के दो आवासों पर गुरुवार को देसी बम फेंके गए और पार्टी के चार समर्थक घायल हो गए।पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि जब घटना हुई तब खलीकोट विधायक दोनों घरों में से किसी में भी मौजूद नहीं थीं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैद्य के घरों पर ÷राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता÷ के कारण हमला किया गया था। अज्ञात बदमाशों ने केशपुर गांव के पटना शाही में विधायक के आवास और निर्मलझार में उनके किराए के मकान पर बम फेंके। पुलिस ने कहा कि बमबारी की दो घटनाओं में कम से कम चार लोग घायल हो गए। घायलों को शुरू में खलीकोट के एक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर कर दिया गया। अधिकारी ने कहा कि बैद्य की किराए की संपत्ति और दो मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा कि विधायक पार्टी की एक बैठक में भाग लेने के लिए बेरहामपुर में थीं। इस घटना के बाद वह निर्मलझार स्थित अपने आवास पर पहुंचीं। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'पुलिसकर्मियों की टीमों ने मौके पर जाकर जांच शुरू की। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को घटनाओं का कारण माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के वहां पहुंचने के बाद दोनों जगहों की स्थिति नियंत्रण में थी। अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं हुई है।

पीएम मोदी से मिले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक सामरिक साझेदारी की पूरी क्षमता को साकार करने के लिए द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग संबंधों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि एबॉट ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के विशेष व्यापार दूत के रूप में प्रधानमंत्री से यह मुलाकात की। बाद में एक ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के विशेष दूत टोनी एबॉट से मिलकर बहुत खुशी हुई। व्यापक सामरिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके साथ अच्छी चर्चा हुई। हमारे व्यापार और आर्थिक संबंधों को ऊर्जा देने के लिए, आवश्यक कदमों और लोगों के बीच संपर्क मजबूत करने को लेकर भी हमने चर्चा की। द्विपक्षीय व्यापार संबंधों का बढ़ावा देने और व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर भारतीय नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए एबॉट सोमवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं।

वीडियो कॉल पर बताता रहा बॉयफ्रेंड और बेटी ने कर दी मां की हत्या

फरीदाबाद (एजेंसी)।

हरियाणा के फरीदाबाद से मां-बेटी के रिश्ते को शर्मसार करने वाला हत्या का दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम का दावा है कि 16 वर्षीय बेटी ने ही अपनी ही मां को मौत के घाट उतारा है। पुलिस का दावा है कि प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमी के साथ मिलकर बेटी ने वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने फिलहाल दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की अपने प्रेमी के साथ शादी करना चाहती थी, लेकिन मां इसपर राजी नहीं थी और वो विरोध भी कर रही थी। इससे नाराज बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक लड़की ने रात को नींबू के पानी में मां को नींद की गोलियां दीं। इसके बाद प्रेमी ने उसे वीडियो कॉल कर हत्या करने का तरीका बताया। आरोपियों की पहचान दीपांशु उम्र 18 वर्ष पुत्र लवकेश निवासी जिला बुलंदशहर और 16 साल की नाबालिग लड़की निवासी फरीदाबाद के रूप में हुई है। दरअसल 11 जुलाई को फरीदाबाद के उड़िया कॉलोनी डबुआ में रहने वाले विशाल ने पुलिस में शिकायत दी कि रात को किसी ने उसकी मां सुधा की हत्या कर दी है। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला थाना डबुआ में दर्ज कर मामले की जांच क्राइम ब्रांच डीएलएफ को सौंपी गई थी। क्राइम ब्रांच डीएलएफ ने मामले को जल्द सुलझाने के लिए टीम गठित कर मामले की जांच शुरू की। क्राइम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने केस का खुलासा करते हुए आरोपी दीपांशु को 3 अगस्त और आरोपी किशोरी को बुधवार 4 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि वीडियो कॉल पर लड़के के कहे मुताबिक लड़की ने शिकंजी में नींद की गोलियां डालकर अपनी मां को पिला दीं। इसके बाद रात को करीब साढ़े 12 बजे आरोपी दीपांशु से विडियो कॉल की और साजिश अनुसार दीपांशु ने पहले तकिये से मुंह दबाने के लिए बोला और फिर चुन्नी से गला दबा हत्या को अंजाम देने को कहा। लड़की ने वहीं किया और अपनी ही मां सुधा की हत्या कर दी। जांच टीम ने दोनों आरोपियों को बीते बुधवार को अदालत में पेश किया जहां से अदालत ने आरोपी दीपांशु को जेल में भेज दिया और नाबालिग आरोपी लड़की को करनाल नाबालिग जेल भेजने के निर्देश दिए।

कोरोना के बीच गाजियाबाद में स्वाइन फ्लू ने दी दस्तक

नोएडा।

गाजियाबाद जिले में स्वाइन फ्लू के तीन मरीजों की पुष्टि की गई है। तीनों मरीज कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती हैं। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से केवल एक मरीज की पुष्टि की जा रही है। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने तीनों मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि की है। इस साल जिले में पहली बार स्वाइन फ्लू के मामले सामने आए हैं। कोरोना संक्रमण के बाद अब स्वाइन फ्लू (एच 1 एन 1) के मरीज भी सामने आने शुरू हो गए हैं। जिले में स्वाइन फ्लू के तीन नए मरीज मिले हैं। कोरोना से निपटने में स्वास्थ्य विभाग लगा हुआ था। वहीं स्वाइन फ्लू के मरीज मिलने पर विभाग में हड़कंप मच गया है। जिले में रहने वाले तीनों मरीज कौशांबी के यशोदा अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पताल प्रबंधन की ओर से तीनों मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि की गई। अस्पताल के फिजिशियन डॉ. एपी सिंह ने बताया कि मौसम में आए बदलाव की वजह से मौसमी फ्लू घर-घर जा पहुंचा है। अस्पताल की ओपीडी में फ्लू के मरीज रोज बढ़ रहे हैं। इस समय चिकित्सकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती है लक्षण को पहचानकर इलाज करना है। उन्होंने बताया कि कोरोना, स्वाइन फ्लू और मौसमी फ्लू के अधिकांश लक्षण एक जैसे ही हैं। बढ़ते हुए स्वाइन फ्लू को देखकर संदिग्ध मरीजों की स्वाइन फ्लू और कोरोना की जांच की जा रही है। अस्पताल में भर्ती तीनों मरीजों का उपचार किया जा रहा है। हालांकि अभी तीनों मरीज की तबियत खतरे से बाहर है। स्वाइन फ्लू का खतरा बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों में अधिक रहता है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों के संक्रमित होने की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि स्वाइन फ्लू के तीनों मरीजों की उम्र 45 साल से भी कम है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि मानसून में विभिन्न संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। स्वाइन फ्लू और डेंगू इसी मौसम में आते हैं। जिले में पिछले साल स्वाइन फ्लू के सात मरीज मिले थे। यदि समय से उपचार नहीं मिला तो संक्रमण बढ़ने का खतरा रहता है। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने कहा, 'स्वाइन फ्लू के मरीज मिलने की जानकारी मिली है। एक मरीज का विवरण विभाग को मिल गया है। अन्य दो मरीजों के विषय में जानकारी ली जा रही है। जिले में संक्रमण बीमारियों की जांच के लिए चिकित्सकों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

टीका लगवाने के बाद भी कोरोना से संक्रमित हुए 7,000 लोग सरकार सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केरल के एक जिले में टीकाकरण के बावजूद कोरोना संक्रमित होने के हजारों मामले सामने आए हैं। इससे सरकार की चिंता बढ़ गई है। पठानमथिट्टा जिले में 7,000 से अधिक ऐसे लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं, जिनका टीकाकरण हो चुका है। छह सदस्यीय केंद्रीय टीम ने राज्य की अपनी हालिया यात्रा के दौरान इसको लेकर चिंता प्रकट की है। प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि ये मामले उन लोगों में दर्ज किए गए जिन्हें कोवैक्सिन और कोविशील्ड की एक या दोनों खुराकें मिली थीं। केंद्रीय टीम ने जिले पर एक विशेष रिपोर्ट प्रस्तुत की है। पथानामथिट्टा और अन्य जिलों से जीनोम अनुक्रमण के लिए नमूनों पर राज्य से विवरण मांगा है ताकि मामलों का कारण निर्धारित किया जा सके। दूसरी लहर के दौरान रिसर्च और साक्ष्य ने संकेत दिए हैं कि विशेष रूप से डेल्टा वेरिएंट नेकोरोना वैक्सीन से उत्पनान इम्यूनिटी पर काबू पा लिया है। इस तरह के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। पथनमथिट्टा की कलेक्टर दिव्या एस अय्यर ने कहा है कि कम से कम 5042 लोग टीकों की दो खुराक के बाद पॉजिटिव निकले हैं। इनमें से 258 दोनों खुराक के दो सप्ताह पूरे करने के बाद कोरोना पॉजिटिव हो गए। इसके साथ ही सिर्फ पहली खुराक लेने वाले 14974 कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से 4490 दो हफ्ते बाद पॉजिटिव निकले। हमें यह आकलन करने के लिए अधिक विवरण की आवश्यकता है कि क्या यह वैक्सीन की विफलता का मामला है या फिर कुछ और है। हमने स्थिति की अधिक समग्र तस्वीर प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार से पहली खुराक और दूसरी खुराक की सफलता के मामलों पर सभी जिलों से विवरण मांगा है।

पेगासस स्पाइवेयर के दुरुपयोग पर वैश्विक विवाद

न दी जाए संसद में पेगासस पर सवाल की अनुमति केंद्र ने कहा कोर्ट में विचाराधीन है मामला

नई दिल्ली।

इजरायल की साइबर सुरक्षा कंपनी एनएसओ के स्पाइवेयर पेगासस को लेकर भारत में बवाल मचा हुआ है। भारत में इसके जरिए कई पत्रकारों और चर्चित हस्तियों के फोन की जासूसी करने का दावा किया जा रहा है। पेगासस स्पाइवेयर के दुरुपयोग पर वैश्विक विवाद के बीच केंद्र सरकार ने राज्यसभा में इस सवाल को खारिज करने की मांग की कि क्या सरकार ने इजरायल की साइबर सुरक्षा फर्म ग्रुप के साथ कॉन्ट्रैक्ट किया है या नहीं। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने तर्क दिया कि 'सुप्रीम कोर्ट में कई जनहित याचिकाएं दायर किए जाने के बाद से पेगासस का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। केंद्र ने इस सप्ताह की शुरुआत में राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर मांग की थी कि माकपा सांसद बिनॉय विश्वम द्वारा पूछे गए अनंतिम रूप से स्वीकृत प्रश्न' का जवाब 12 अगस्त को दिए जाने की इजाजत नहीं दी जाए। इधर, विश्वम ने बताया कि उन्हें अनौपचारिक रूप से सूचित किया गया है कि मेरे प्रश्न को अस्वीकार कर दिया गया था, लेकिन मुझे अभी तक फॉर्मल रेस्पॉन्स नहीं मिला है। सरकार राज्यसभा के नियमों का दुरुपयोग कर रही है और सच्चाई पर एक अलग रुख अपना रही है। उन्हें पेगासस के मुद्दे पर सवालों का सामना करना होगा। विदेशी कंपनियों के साथ भारत सरकार समझौता ज्ञापन' विषय के साथ अपने 'अनंतिम रूप से स्वीकृत प्रश्न' (पीएक्यू) में विश्वम ने पूछा: 'क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे- (क) सरकार ने विदेशी कंपनियों के साथ कितने एमओयू किए हैं, क्षेत्रवार ब्योरा क्या है; (ख) क्या इनमें से कोई समझौता विदेशी कंपनियों के साथ साइबर सुरक्षा के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए किया गया है, इसका ब्योरा क्या है; और (ग) क्या सरकार ने पूरे देश में साइबर सुरक्षा के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एनएसओ समूह के साथ समझौता ज्ञापन किया है, यदि हां, तो इसका ब्योरा प्रदान करें' राज्यसभा सचिवालय को भेजे गए केंद्र के पत्र में अनुरोध किया गया है कि प्रश्न की अनुमति नहीं दी जाए, केंद्र ने कहा: 'यह ध्यान दिया जाएगा कि पीएक्यू का भाग (ए) से (सी) एनएसओ समूह के स्वामित्व वाले पेगासस के चल रहे मुद्दे के बारे में जानना चाहता है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में कई जनहित याचिकाएं दायर की गई हैं, जिससे यह मामला विचाराधीन है। इसमें कहा गया है: 'प्रक्रिया और आचरण के नियमों के नियम 47 (xix) के अनुसार, प्रश्नों की स्वीकार्यता से निपटने के लिए, एक स्वीकृत प्रश्न' उस मामले पर जानकारी नहीं मांगेगा जो कोर्ट के अधिनिर्णय के अधीन है। बता दें कि पेगासस को लेकर पहले भी सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं डाली गई हैं। हाल में इस जासूसी कांड के मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दायर की गई है। राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने पेगासस का इस्तेमाल करके सरकारी एजेंसियों द्वारा कथित तौर पर कार्यकर्ताओं, राजनेताओं, पत्रकारों और संवैधानिक पदाधिकारियों की जासूसी की रिपोर्ट की अदालत की निगरानी में जांच की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इससे भी पहले अधिवक्ता एम एल शर्मा ने याचिका दायर कर मांग की थी कि न्यायालय की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच कराई जाए।

संक्षिप्त समाचार

केरल में बदतर हालात बरकरार एक दिन में 22,040 लोग संक्रमित 117 की मौत

नई दिल्ली। गुरुवार को केरल में 22,040 नए कोरोना वायरस मामले और 117 मौतें दर्ज की गईं। इसके साथ ही राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या 34.93 लाख और मरने वालों की संख्या 17,328 हो गई है। एक दिन में 20,046 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं और इसके साथ ही ठीक होने वालों की कुल संख्या 32,97,834 हो गई है। राज्य की एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार यहां सक्रिय मामलों की संख्या 1,77,924 है। राज्य ने पिछले 24 घंटों में 1,63,376 सैंपल्स का टेस्ट किया गया और पॉजिटिविटी दर 13.49 प्रतिशत रही। अब तक 2.80 करोड़ नमूनों की जांच की जा चुकी है। राज्य के कुछ सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों की बात करें तो 3645 मामलों के साथ मलप्पुरम, त्रिशूर में 2406, एर्नाकुलम में 2373 और पलक्कड़ में 2139 मामले पाए गए। कोरोना के नए मामलों में 76 स्वास्थ्यकर्मी हैं, जबकि 67 लोग राज्य के बाहर से आए थे और 20,901 लोग संपर्क के चलते संक्रमित हुए। वहीं 996 मामलों में कॉन्टेक्ट का सोर्स स्पष्ट नहीं हुआ।

उन्नाव में जिंदा जलाई गई गैंगरेप पीड़िता की बहन को मिली नौकरी

नई दिल्ली। उन्नाव जिले में जिंदा जलाकर मारी गई गैंगरेप पीड़िता की बहन को अचलगंज नगर पंचायत में चतुर्थ श्रेणी पद पर नौकरी मिली है। घटना के बाद सरकार ने परिवार के एक सदस्य को नौकरी का आश्वासन दिया था। बिहार थाना क्षेत्र के एक गांव में पांच दिसंबर 2019 को रेप पीड़िता को जिंदा जला दिया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में परिजनों ने गांव के पांच लोगों को नामजद किया था, जो जेल में हैं। इस घटना ने राष्ट्रीय स्तर तक सुर्खियां बटोरी थीं। परिजनों की मांग पर सरकार ने पीड़ित परिवार को आवास व पीड़िता की बहन को सरकारी नौकरी का आश्वासन दिया था। छह साल बाद पीड़िता की बहन को ज्वाइनिंग दी जा सकी। डीएम रवींद्र कुमार ने बताया कि नगर पंचायत अचलगंज में नियुक्ति दी गई है। गैंगरेप पीड़िता के जिंदा जलाए जाने की घटना के नौ महीने बाद 2 अक्तूबर 2020 को उसका छह वर्षीय भतीजा रहस्यमय तरीके से लापता हो गया था। इसकी छानबीन दूसरे राज्यों तक की गई लेकिन जांच में जुटी पुलिस टीमें बच्चे का पता लगाने में विफल रहीं। अभी तक बच्चे का पता नहीं चला है। भतीजे के अपहरण के बाद पीड़िता की बहन की नौकरी के मामले ने तूल पकड़ा था। तब एसडीएम व अन्य अफसरों ने उसके दस्तावेज लेकर जल्द से जल्द नौकरी दिलवाने की बात कही थी।

भारत समेत अमेरिका-यूके में लॉन्ग कोविड से सबसे अधिक पीड़ित

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण से ठीक होने के बावजूद दुनियाभर में लाखों लोग लॉन्ग कोविड से पीड़ित हैं। हर देश में ऐसे पीड़ितों की भारी संख्या को देखते हुए इसे अपने आप में एक 'खामोश महामारी' करार दिया जा रहा है। लॉन्ग कोविड से पीड़ित लोगों की संख्या सबसे अधिक अमेरिका, भारत और ब्रिटेन में है। इसके चलते अस्पताल में भर्ती कराने और गहन ऑपरेशन की भी जरूरत पड़ सकती है। अमेरिका में हुए एक अध्ययन के मुताबिक लाखों अमेरिकी इससे पीड़ित हुए हैं। अमेरिका पहला देश है जिसने लॉन्ग कोविड के मरीजों को शारीरिक अक्षमता की श्रेणी में शामिल किया है। लॉन्ग कोविड से आशय कोरोना संक्रमण से ठीक होने के बावजूद कई हफ्तों और कभी-कभी कई महीनों तक तरह-तरह की शारीरिक समस्याओं का सामना करने से है। ये समस्याएं स्वाद और गंध की क्षमता में मामूली कमी या बदलाव से लेकर काफी गंभीर स्तर की होती हैं। लॉन्ग कोविड क्यों होता है? इसका कोई सीधा जवाब नहीं है। एक अनुमान के मुताबिक कुछ लोगों का इम्यून सिस्टम ज्यादा सक्रिय हो जाता है, तो वह ना केवल कोरोना वायरस को मारता है, बल्कि अपने ही शरीर के ऊतकों को नुकसान पहुंचाने लगता है। दूसरी थ्योरी यह है कि संक्रमण से उबरने के बावजूद कोरोना निष्क्रिय रूप से शरीर में पड़ा रहता है और अंगों को नुकसान पहुंचाता है जैसे कि हरपीज नामक वायरस के केस में ऐसा होता है। लेकिन अभी इस बारे में कुछ साफ नहीं है। इस मुद्दे पर अभी तस्वीर साफ नहीं है। लेकिन चिकित्सकों का कहना है कि यह काफी हद तक उम्र पर निर्भर करता है। विश्लेषण के मुताबिक 20 से 30 साल की उम्र के लोगों में एक-दो फीसदी लोग लॉन्ग कोविड से पीड़ित पाए गए, जबकि 60 साल पार वालों में यह प्रतिशत पांच फीसदी पाया गया। भारत में बड़ी संख्या में लोग लॉन्ग कोविड से पीड़ित पाए गए। एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया के हवाले से प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती भारतीयों में से 40 से 60 फीसदी लोगों ने ठीक होने के 12 हफ्ते बाद तक तरह-तरह की समस्याओं का सामना किया। 10-15 फीसदी लोगों को तीन महीने बाद भी शारीरिक समस्याओं से जूझना पड़ा।

तमिलनाडु के 47 मंदिरों में भक्तों को तमिल में प्रार्थना करने का विकल्प मिला

चेन्नई। तमिलनाडु के 47 मंदिरों में भक्तों के पास तमिल में प्रार्थना करने का विकल्प होगा क्योंकि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक (द्रविड़ मुनेत्र कड़गम) सरकार ने 'अन्नई थमिलिल अर्चनाई' की शुरुआत की, जिसका अर्थ है 'मातृभाषा तमिल में प्रार्थना'। मंदिर के पुजारियों को तमिल प्रार्थना करने के तरीके के बारे में एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम दिया गया है और उनके नाम और मोबाइल नंबर मंदिरों में प्रदर्शित किए जाएंगे ताकि विकल्प का उपयोग करने के इच्छुक भक्तों की मदद की जा सके। चेन्नई के कपालेश्वर मंदिर में इसे लॉन्च करते हुए, हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री पीके सेकर बाबू ने कहा, 'इस विचार की कल्पना 1974 में की गई थी। अब हमने इसे मुख्यमंत्री एमके की सलाह के अनुसार लागू किया है। यह सभी वर्गों को संतुष्ट करेगा और कोई समस्या नहीं पैदा करेगा।' उन्होंने कहा कि संस्कृत में प्रार्थना करने का मौजूदा विकल्प जारी रहेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)